चैत्र कृष्णा - 6 ▪ संवत 2081 ▪ वर्ष - 12 ▪ अंक - 231 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » गुरुवार » 20-03-2025 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

4 कोचिंग सेंटर में आत्महत्या रोकने के लिए राजस्थान विधानसभा में बिल पेश
6 तू है चिड़िया मेरे आंगन की
7 रणदीप हुड्डा ने 'जाट' के लिए किया जबरदस्त बदलाव

फर्स्ट टेक

कर्नाटक के उडुपी में महिला को पेड़ से बांधकर पीटने के मामले में चार गिरफ्तार

उडुपी (कर्नाटक)/भाषा। कर्नाटक के उडुपी जिले में मछली चोरी का आरोप लगाकर एक महिला को कथित तौर पर पेड़ से बांधने और उसकी पिटाई करने के मामले में चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि 18 मार्च को हुई घटना का कथित वीडियो सोशल मीडिया पर बड़े पैमाने पर प्रसारित किया जा रहा है। वीडियो में एक महिला भीड़ के सामने पीड़िता को थप्पड़ मारती हुई नजर आ रही है। इसके बाद पीड़िता को एक पेड़ से बांधे जाते और उसकी पिटाई करते देखा जा सकता है। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने कथित घटना पर दुख व्यक्त किया और इसे अमानवीय करार दिया। अरुण के अनुसार, घटना के सिलसिले में लक्ष्मी बाई के अलावा सुंदर, शिल्पा और एक अन्य व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है।

मन्नार खाड़ी में गैस ब्लॉक की नीलामी रोकी जाए : कनिमोई

नई दिल्ली/भाषा। द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) सांसद के. कनिमोई ने सरकार से मन्नार खाड़ी 'बायोस्फीयर रिजर्व' के भीतर कावेरी बेसिन में पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस ब्लॉक की नीलामी रोकने की बुधवार को मांग की। लोकसभा में शून्यकाल के दौरान, इस मुद्दे को उठाते हुए कनिमोई ने कहा कि 'बायोस्फीयर रिजर्व' में समृद्ध जैव विविधता है, जिसमें प्रवाल भित्तियां, समुद्री घास, मैंग्रोव वन, नदियां, द्वीप और वन जैसे विविध पारिस्थितिकी तंत्र शामिल हैं। कनिमोई ने कहा, ''यह रामनाथपुरम और तुतूकुडी जिलों के तटों के पास 560 वर्ग किलोमीटर में फैला हुआ है। साथ ही, निकटवर्ती जल क्षेत्र में डुगोंग समुद्री गायों के लिए भारत का पहला रिजर्व है।''

छत्तीसगढ़ में भारी मात्रा में विस्फोटक बरामद

सुकमा/भाषा। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में सुरक्षाबलों ने भारी मात्रा में विस्फोटक और अन्य सामान बरामद किया है। पुलिस अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिले के भेज्जी थाना क्षेत्र के अंतर्गत दंतेशपुरम गांव के जंगल में सुरक्षाबलों ने नक्सलियों द्वारा छुपाया गया विस्फोटक और अन्य सामान बरामद किया है। उन्होंने बताया कि मंगलवार को भेज्जी थाना क्षेत्र के अंतर्गत बोदराजपदर, मैलासुर, दंतेशपुरम और कंगालतोंग के जंगल में नक्सलियों की मौजूदगी की सूचना पर सुरक्षाबलों को गश्त में रवाना किया गया था। अधिकारियों ने बताया कि गश्त के दौरान सुरक्षाबलों ने दंतेशपुरम गांव के जंगल में नक्सलियों द्वारा छुपाए गए एक बैरल ग्रेनेड लांचर (बीजीएल), 12 बोर राइफल के 19 कारतूस समेत भारी मात्रा में विस्फोटक और अन्य सामान बरामद किया।

सूर्यास्त 20-03-2025	सूर्योदय 21-03-2025
6:19 बजे	6:12 बजे

BSE	NSE
75,449.05 (+147.79)	22,907.60 (+73.30)

सोना	चांदी
9,267 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	113,000 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

स्वागत सुनीता

आई सुनीता लौट कर,
खुश हो रही सारी धरा।
बेटी हमारा खून जिसने,
नाम निज रोशन करा।
दुनिया करेगी याद हरदम,
काम उसका है खरा।
देखा उसे जब स्वस्थ तो,
मन हो गया सबका हरा।।

संशोधित राष्ट्रीय गोकुल मिशन (आरजीएम) को मंजूरी

'केंद्रीय मंत्रिमंडल के फैसलों से किसानों के लिए बेहतर मूल्य, रोजगार सृजन सुनिश्चित होगा'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को कहा कि संशोधित राष्ट्रीय डेयरी विकास कार्यक्रम (एनपीडीडी) को मंजूरी दिए जाने के केन्द्रीय मंत्रिमंडल के फैसले से इस क्षेत्र में व्यापक बदलाव आएगा, किसानों के लिए बेहतर मूल्य सुनिश्चित करेगा और साथ ही रोजगार सृजन भी करेगा।

मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''भारत के डेयरी क्षेत्र को बड़ी मजबूती! संशोधित राष्ट्रीय डेयरी विकास कार्यक्रम के लिए मंत्रिमंडल की मंजूरी इस क्षेत्र के परिवर्तन में योगदान देगी, जिससे किसानों के लिए बेहतर मूल्य निर्धारण, रोजगार सृजन और बहुत कुछ सुनिश्चित होगा।''

प्रधानमंत्री ने पशुधन क्षेत्र में विकास को बढ़ावा देने के लिए संशोधित राष्ट्रीय गोकुल मिशन (आरजीएम) को मंजूरी दिए जाने का उल्लेख करते हुए कहा कि इससे दूध उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा, स्वदेशी नस्लों में सुधार होगा और कई डेयरी किसानों को सशक्त बनाया जाएगा। उन्होंने इसे पशुधन क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में एक बड़ा कदम करार दिया।

भीम-यूपीआई लेनदेन को बढ़ावा देने के लिए 'प्रोत्साहन योजना' को मंजूरी

प्रधानमंत्री ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए 'व्यक्ति से व्यापारी (पी2एम) तक कम मूल्य वाले भीम-यूपीआई लेनदेन को बढ़ावा देने के लिए 'प्रोत्साहन योजना' को मंजूरी दिए जाने का जिक्र करते हुए कहा कि यह डिजिटल भुगतान को प्रोत्साहित करेगा और 'जीवन की सुगमता' को बढ़ावा देगा।

मोदी ने महाराष्ट्र में जेएनपीए पोर्ट (पगोटे) से चौक (29.219 किमी) तक 6-लेन पहुंच नियंत्रित ग्रीनफील्ड राजमार्ग के निर्माण संबंधी केंद्रीय मंत्रिमंडल के फैसले को 'पीएम गतिशक्ति' के दृष्टिकोण के अनुरूप बताया और कहा कि यह परियोजना मुंबई और पुणे के आसपास के क्षेत्रों के विकास को गति देगी।

ब्रह्मपुत्र वैली फर्टिलाइजर कॉरपोरेशन लिमिटेड (बीवीएफसीएल), नामरूप असम के मौजूदा परिसर में 12.7 लाख मीट्रिक टन (एलएमटी) वार्षिक यूरिया उत्पादन क्षमता का एक नया ब्राउनफील्ड अमोनिया-यूरिया कॉम्प्लेक्स स्थापित करने के प्रस्ताव को मंजूरी दिए जाने के फैसले को रेखांकित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि इससे घरेलू यूरिया उत्पादन में वृद्धि होगी, पूर्वोत्तर और पूर्वी भारत में किसानों को लाभ होगा और रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत

किसी भी राज्य पर कोई भाषा नहीं थोपी जाएगी : सुकांत मजूमदार

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री सुकांत मजूमदार ने बुधवार को राज्यसभा में कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के तहत, स्कूली छात्रों द्वारा सीखी जाने वाली तीन भाषाओं का चयन राज्य, क्षेत्र और बच्चे करेंगे तथा किसी भी राज्य पर कोई भाषा नहीं थोपी जाएगी। एनईपी द्वारा सुझाया गया तीन-भाषा फॉर्मूला इन दिनों विवाद का केंद्र रहा है और तमिलनाडु ने केंद्र द्वारा हिंदी थोपने का आरोप लगाते हुए इसे लागू करने से इनकार कर दिया है। हालांकि, केंद्र ने तमिलनाडु के आरोप का खंडन किया है। राज्यसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में मजूमदार ने कहा कि बच्चों द्वारा सीखी जाने वाली तीन भाषाएं राज्यों, क्षेत्रों और निश्चित रूप से छात्रों की पसंद से तय होंगी, बशर्ते तीन भाषाओं में से कम से कम दो भारत की मूल भाषाएं हों। उन्होंने कहा, तीन-भाषा फार्मूले में अधिक लचीलापन होगा और किसी भी राज्य पर कोई भाषा नहीं थोपी जाएगी। मजूमदार ने कहा, एनईपी 2020 में प्रावधान है कि संवैधानिक प्रावधानों, लोगों, क्षेत्रों और संघ की आकांक्षाओं और बहुभाषावाद को बढ़ावा देने के साथ-साथ राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देने की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए तीन-भाषा फार्मूले को लागू किया जाना जारी रहेगा।

'अंतरिक्ष परी' सुनीता विलियम्स ने रचा महा इतिहास

नौ महीने बाद किया धरती को स्पर्श

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/एजेन्सी। आठ दिनों के लिए संयुक्त क्रू फ्लाइट टेस्ट मिशन पर गयीं और तकनीकी कारणों से करीब नौ माह तक अंतरिक्ष में 'फंसी' रहीं भारतीय मूल की अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स के बुधवार तड़के धरती को आलिंगनबद्ध करते ही उनकी सुरक्षित वापसी के लिए कई घंटों से 'दिल थामे' टकटकी लगाये विश्वभर में लोगों की आंखें खुशियों से छलछला गयीं और इसके साथ ही, अंतरिक्ष विज्ञान में 19 मार्च स्वर्णिम अक्षरों में दर्ज हो गया।

'अंतरिक्ष परी' सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर ने नौ महीने 14 दिन बाद आज धरती पर कदम रखा। उनका ड्रैगन फ्रीडम स्पेसक्राफ्ट भारतीय समयानुसार आज तड़के 3:27 बजे फ्लोरिडा के तट पर लैंड हुआ।

इस मौके पर एक और सुंदर नजारा देखने को मिला। ड्रैगन के स्प्लैशडाउन होते ही कई डॉल्फिन मछलियों ने उसे घेर लिया। इस दौरान डॉल्फिन का झुंड अंतरिक्ष यान की चारों ओर तैरतने लगा जैसे वे 'अंतरिक्ष परी' के लिए स्वागत गीत गा रही हों।

दोनों अंतरिक्ष यात्री बोइंग और नासा के आठ दिन के जॉइंट 'क्रू फ्लाइट टेस्ट मिशन' पर गए थे, लेकिन स्टारलाइनर स्पेसक्राफ्ट के थ्रस्टर्स में तकनीकी समस्या के कारण इनकी आठ दिन की यात्रा नौ माह 14 दिन में तब्दील हो गयी।

कुरान की आयत वाला कोई कपड़ा नहीं जलाया गया,

नागपुर हिंसा के दंगाइयों को कब्र से खोदकर निकाला जाएगा : फडणवीस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने बुधवार को कहा कि अफवाहों के विपरीत, नागपुर शहर में विरोध प्रदर्शन के दौरान कुरान की आयत वाला कोई चादर या कपड़ा नहीं जलाया गया।

फडणवीस ने साथ ही कहा कि नागपुर हिंसा के दौरान पुलिस पर हमला करने वालों को ''कब्र से भी खोदकर निकाला जाएगा'' और कानून के सामने पेश किया जाएगा।

सोमवार रात को हुई हिंसा के दौरान दंगाइयों ने एक महिला कांस्टेबल को कथित रूप से अनुचित तरीके से छूने और उसके कपड़े उतारने की कोशिश की। नागपुर में हिंसा के दौरान उपद्रवियों ने पत्थर और पेट्रोल बम फेंके, जिसमें उपायुक्त (डीसीपी) रैंक के तीन अधिकारियों सहित 33 पुलिसकर्मी घायल हो गए।

नागपुर से विधायक एवं मुख्यमंत्री फडणवीस ने विधानसभा में कहा कि सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने के लिए हिंसा की साजिश रची गई थी। फडणवीस राज्य के गृहमंत्री भी हैं। उन्होंने कहा, ''दो दिन पहले जो कुछ भी हुआ, वह कुछ लोगों द्वारा रची गई एक पूर्वनियोजित साजिश थी। मैं किसी समुदाय को दोष नहीं दे रहा हूं....हमें जलाये गए कपड़े पर (कुरान की) कोई 'आयत' नहीं मिली।'' उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ लोगों ने जानबूझकर सांप्रदायिक अशांति भड़काने के लिए झूठी अफवाह वाले संदेश भेजे।

मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि पुलिसकर्मियों पर हमले अक्षम्य हैं। उन्होंने कहा, ऐसे लोगों को सख्त से सख्त सजा दी जाएगी। नागपुर में पुलिस पर हमला करने वालों को उनकी कब्रों से खोदकर निकाला जाएगा। हम उन्हें नहीं छोड़ेंगे।''

नागपुर हिंसा के दौरान विरोध-प्रदर्शन का नेतृत्व करने पर एमडीपी नेता फहीम खान गिरफ्तार

नागपुर/भाषा। महाराष्ट्र में नागपुर पुलिस थाने के बाहर सोमवार को एक विरोध-प्रदर्शन का नेतृत्व करने के आरोप में माइनॉरिटी डेमोक्रेटिक पार्टी (एमडीपी) के नेता फहीम खान को गिरफ्तार किया गया है। उक्त प्रदर्शन के बाद क्षेत्र में हिंसा भड़क गई थी। यह प्रदर्शन विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के कार्यकर्ताओं के औरंगजेब की कब्र को हटाने की मांग को लेकर किए गए प्रदर्शन के बाद हुआ था। बुधवार को एक अधिकारी ने बताया कि खान का नाम अब तक दर्ज की गई छह प्राथमिकी में से एक में है, साथ ही 50 अन्य लोगों के नाम भी हिंसक झड़पों के सिलसिले में दर्ज हैं, जिसमें कई पुलिसकर्मी घायल हुए थे। अधिकारी के मुताबिक, पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि खान की दंगे भड़काने में कोई भूमिका थी या नहीं। प्राथमिकी में कहा गया है कि खान के नेतृत्व में 50 से 60 लोगों का एक समूह सोमवार को गणेशपेठ पुलिस थाने के बाहर अवैध रूप से इकट्ठा हुआ और पुलिस को विश्व हिंदू परिषद के विरोध-प्रदर्शन के खिलाफ एक ज्ञापन सौंपा।

आरएसएस के तीन दिवसीय सम्मेलन में बांग्लादेश पर पारित होगा प्रस्ताव

बेंगलूरु/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) में निर्णय लेने की सर्वोच्च संस्था अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा (अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा) 21 से 23 मार्च तक बेंगलूरु में तीन दिवसीय बैठक आयोजित करेगी। संघ के मुख्य प्रवक्ता सुनील आंबेकर ने बुधवार को यह जानकारी दी। आंबेकर ने संवाददाताओं को बताया कि बैठक के दौरान कार्यकारी समिति बांग्लादेश और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के शताब्दी समारोह को लेकर प्रस्ताव पारित करेगी। आंबेकर ने बताया कि इस तीन दिवसीय बैठक में आरएसएस से जुड़े 32 संगठनों के अध्यक्ष और महासचिव भी भाग लेंगे, जिनमें भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा और महासचिव बी एल संतोष भी शामिल होंगे। उन्होंने बताया, ''21 से 23 मार्च तक आरएसएस की अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा के कार्यकारी समिति के सदस्य यहां मिलेंगे। यह आयोजन चार साल बाद बेंगलूरु में हो रहा है।''

आंबेकर ने बताया कि संघ के महासचिव दत्तात्रेय होसबोले, संघ द्वारा किए गए कार्यों और उसके भविष्य की रूपरेखा का विस्तृत विवरण प्रस्तुत करेंगे।

केंद्रीय प्रतिनिधिमंडल के साथ बैठक के बाद लौट रहे

दल्लेवाल और पंधेर को पंजाब पुलिस ने हिरासत में लिया

पंजाब पुलिस ने धरनास्थल खाली कराना शुरू किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडगढ़/भचक्र। केंद्रीय प्रतिनिधिमंडल के साथ बैठक के बाद लौट रहे सरवन सिंह पंधेर और जगजीत सिंह डल्लेवाल सहित कई किसान नेताओं को मोहाली में हिरासत में लिया गया। इस बीच पंजाब पुलिस ने शंभू और खनौरी सीमा बिंदुओं से प्रदर्शनकारी किसानों को हटाना शुरू कर दिया, जहां पर वे एक साल से अधिक समय से डेरा डाले हुए थे।

किसान नेता गुरमनीत सिंह मंगत ने कहा कि किसान नेताओं को मोहाली में तब हिरासत में लिया गया, जब वे केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व वाले प्रतिनिधिमंडल के साथ बैठक के बाद शंभू विरोध स्थल की ओर लौट रहे थे।

पंजाब के वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने किसानों को प्रदर्शन स्थलों से हटाए जाने को उचित ठहराते हुए कहा कि राज्य के लिए जीवनरेखा सरीखें दो राजमार्गों के लंबे समय तक बंद रहने से उद्योग और कारोबार बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। उन्होंने कहा, ''आम आदमी पार्टी (आप)युवाओं और रोजगार सृजन के लिए प्रतिबद्ध है। अगर व्यापार और उद्योग सुचारू रूप से चलते रहेंगे तो उन्हें रोजगार मिलेगा।''

एक महत्वपूर्ण गलियारे को अपने कब्जे में लेने के लिए

इजराइल ने उत्तरी गाजा में अभियान शुरू किया

दीर अल बलाह/एपी। इजराइली सेना ने बुधवार को कहा कि उसने गाजा के प्रमुख गलियारे के एक हिस्से को फिर से अपने कब्जे में लेने के लिए ''सीमित जमीनी अभियान'' शुरू किया है। यह कदम गाजा में इजराइल के नए सैन्य अभियान के तेज होने का संकेत है। इजराइल ने मंगलवार को गाजा में हवाई हमले फिर से शुरू कर दिए हैं, जिससे 19 जनवरी में हमास के साथ हुए युद्धविराम पर अनिश्चितता पैदा हो गई है। युद्ध विराम के तहत इजराइल ने नेत्ज़ारिम गलियारे से अपनी सेना हटा ली थी, जिसका इस्तेमाल वह सैन्य क्षेत्र के रूप में करता था। यह गलियारा उत्तरी गाजा को दक्षिणी गाजा से विभाजित करता है।

गेट्स ने प्रधानमंत्री मोदी से की मुलाकात, कहा कि

भारत के नवाचार से वैश्विक स्तर पर विकास को बल मिल रहा है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सॉफ्टवेयर कंपनी माइक्रोसॉफ्ट के सह-संस्थापक बिल गेट्स ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की और प्रौद्योगिकी, नवाचार तथा स्थिरता सहित कई विषयों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि वह इस बात से प्रभावित हैं कि भारत में किस तरह नवाचार ''स्थानीय और वैश्विक स्तर पर प्रगति'' को गति दे रहा है।

गेट्स ने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे पी नड्डा से भी मुलाकात की। इस दौरान स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में सरकार और बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन के बीच सहयोग की समीक्षा की गई।

उन्होंने 'रायसीना डायलॉग' से इतर विदेश मंत्री एस जयशंकर से भी मुलाकात की और इस दौरान उनके बीच विस्तृत बातचीत हुई। जयशंकर ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''विकास चुनौतियों, नवाचार की संभावना और भारत की प्रासंगिकता पर चर्चा हुई।''

गेट्स ने आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू के साथ भी बैठक की। इस दौरान उन्होंने स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, कृषि और रोजगार सृजन के क्षेत्रों में सेवा वितरण में सुधार के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और पूर्वानुमान विश्लेषण का लाभ उठाने पर चर्चा की।

मोदी से मुलाकात के बाद गेट्स ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ मेरी भारत के विकास, 2047 तक विकसित भारत के मार्ग और स्वास्थ्य, कृषि, एआई और अन्य क्षेत्रों में रोमांचक प्रगति के बारे में बहुत अच्छी चर्चा हुई, जो आज प्रभाव पैदा कर रही है। यह देखना प्रभावशाली है कि भारत में नवाचार किस तरह स्थानीय और वैश्विक स्तर पर प्रगति को गति दे रहा है।''

रूस-यूक्रेन युद्धविराम :

ट्रंप ने जेलेंस्की के साथ वार्ता की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कीव/एपी। रूस-यूक्रेन में युद्धविराम के प्रयासों के बीच अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि उन्होंने बुधवार सुबह यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की से करीब एक घंटा वार्ता की। इससे एक दिन पहले ही ट्रंप ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से चर्चा की थी।

सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में ट्रंप ने कहा कि उन्होंने ''रूस और यूक्रेन के अनुरोधों और आवश्यकताओं के अनुसार'' बातचीत की, क्योंकि वह दोनों देशों के बीच युद्धविराम लाना चाहते हैं। ट्रंप ने कहा, ''हम पूरी तरह सही रास्ते पर हैं।''

अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि उन्होंने विदेश मंत्री मार्को रुबियो और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार माइकल वाल्ट्ज से आगामी बयान में बातचीत के बारे में अधिक जानकारी देने को कहा है।

- **ट्रंप ने मंगलवार को पुतिन से संभावित आंशिक युद्धविराम के बारे में बात की। पुतिन ऊर्जा अवसंरचना को निशाना न बनाने पर सहमत हुए, लेकिन 30 दिन के पूर्ण युद्धविराम का समर्थन करने से इनकार कर दिया।**

ट्रंप ने मंगलवार को पुतिन से संभावित आंशिक युद्धविराम के बारे में बात की। पुतिन ऊर्जा अवसंरचना को निशाना न बनाने पर सहमत हुए, लेकिन 30 दिन के पूर्ण युद्धविराम का समर्थन करने से इनकार कर दिया।

अमेरिका से अवैध प्रवासियों के निर्वासन के बाद पूछताछ में मानव तस्करी का भी पता चला : राय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने बुधवार को कहा कि अमेरिका द्वारा अवैध प्रवासियों को निर्वासित किए जाने के बाद राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) की पूछताछ में मानव तस्करी के कुछ मामलों का पता चला है।

राज्यसभा में प्रश्नकाल के दौरान पूरक प्रश्नों का जवाब दे रहे गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने यह भी कहा कि इसमें शामिल एजेंटों और साजिशकर्ताओं के खिलाफ एनआईए मामला दर्ज कर जांच कर रही है। उन्होंने कहा कि आतंकवाद को कतई बर्दाश्त नहीं करने की नीति के तहत उठाए गए कठोर कदमों के कारण आज देश में आतंकी गतिविधियों में 71 फीसदी की कमी आई है। उन्होंने कहा कि दृढ़ संकल्प के साथ आतंकवाद का समूल नाश किया जाएगा और आतंकवादी या तो जेल जाएंगे या जहन्नुम में। उनसे पूछा गया था कि एनआईए अधिनियम में 2019 में संशोधन किए जाने के बाद जांच एजेंसी को क्या उपलब्धियां हासिल हुई हैं। राय ने बताया कि एनआईए ने पिछले दिनों में जिन मामलों की जांच की तो कई में देखा गया कि आरोपी देश के बाहर हैं। उन्होंने कहा ''ऐसे मामलों की जांच और इन लोगों पर कार्रवाई एनआईए नहीं कर सकती थी क्योंकि यह उसके अधिकार क्षेत्र से बाहर था। इसलिए 2019 में एनआईए अधिनियम में संशोधन कर एजेंसी के कार्यक्षेत्र को बढ़ाया गया।'' उन्होंने बताया कि संशोधन के तहत एनआईए को गोला बारूद के इस्तेमाल, मानव तस्करी, साइबर आतंकवाद से

संबंधित अपराध का और विस्फोटक पदार्थ अधिनियम के तहत जांच का अधिकार भी दिया गया। यह एनआईए के क्षेत्राधिकार में विस्तार करने से संभव हुआ। उन्होंने कहा ''संशोधन कर एनआईए अधिनियम को मजबूत बनाया गया।'' राय ने बताया कि अधिनियम में संशोधन के बाद एनआईए को उपलब्धियां भी हासिल हुईं। उन्होंने बताया ''2019 में संशोधन से इसके अधिकार क्षेत्र में वृद्धि हुई। इससे ओटावा के भारतीय उच्चायोगों में हमलो, सैन फ्रांसिस्को में वाणिज्य दूतावास पर हमले सहित ऐसे छह मामलों की जांच कर रही है जिसमें भारत के बाहर आतंकी घटनाएं हुई हैं। मानव तस्वरी के 23 बम विस्फोट के 23 और साइबर अपराध के एक मामले की भी एनआईए जांच कर रही है। मंत्री ने कहा कि अमेरिका द्वारा अवैध प्रवासियों को निर्वासित किए जाने के बाद एनआईए ने जो पूछताछ की उसमें मानव तस्करी के भी मामले सामने आए हैं। उन्होंने कहा कि इसमें शामिल एजेंटों और साजिशकर्ताओं के खिलाफ एनआईए मामला दर्जकर जांच कर रही है। उन्होंने बताया कि एनआईए ने स्थापना के बाद से अब तक (12 मार्च 2025 तक) कुल 652 मामले दर्ज किए हैं जिनमें से 157 मामलों में फैसला सुनाया गया है, 150 मामलों में दोषसिद्धि हुई है और 516 मामलों में आरोप पत्र दायर किए जा चुके हैं। राय ने यह भी बताया कि एनआईए द्वारा दर्ज किए गए 652 मामलों में अब तक 4,232 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है जिनमें से 625 आरोपी दोषी साबित हुए हैं।

राय ने पूरक प्रश्नों के जवाब में यह भी बताया कि एनआईए ने गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम के तहत कुल 551 संपत्तियों को जब्त या कुर्क किया है जिनकी कीमत 116.27 करोड़ रुपए है। इनमें चल और अचल दोनों तरह की संपत्तियां शामिल हैं। उन्होंने कहा ''आतंकवाद के खिलाफ नरेन्द्र मोदी सरकार की नीति 'कतई बर्दाश्त नहीं करने' की है। सरकार की कठोर कार्रवाइयों के कारण आतंकवाद में कमी आई है।

पंजाब पुलिस ने मोहाली में कई किसान नेताओं को हिरासत में लिया: गुरमनीत सिंह मंगत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। पंजाब पुलिस ने सरवन सिंह पंधेर और जगजीत सिंह डल्लेवाल समेत कई किसान नेताओं को बुधवार को मोहाली में उस दौरान हिरासत में ले लिया, जब वे यहां एक केंद्रीय प्रतिनिधिमंडल के साथ बैठक के बाद शंभू और खनौरी धरना स्थलों की ओर जा रहे थे। एक किसान नेता ने यह दावा किया।

किसान नेता गुरमनीत सिंह मंगत ने यह भी चिंता व्यक्त की कि पंजाब पुलिस पंजाब-हरियाणा सीमा पर स्थित दो आंदोलन स्थलों से प्रदर्शनकारियों को हटा सकती है। इससे पहले, किसानों की विभिन्न मांगों पर चर्चा के लिए चंडीगढ़ में किसान नेताओं और केंद्रीय प्रतिनिधिमंडल के बीच नये दौर की बैठक हुई। हालांकि वार्ता में शामिल केंद्रीय मंत्रियों ने किसानों के हितों को सर्वोपरि बताया।

तीन घंटे से अधिक समय तक चली बैठक के दौरान केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि वार्ता जारी रहेगी और अगली बैठक चार मई को होगी।

बैठक के बाद चौहान ने कहा, ''बातचीत सौहार्दपूर्ण माहौल में हुई। चर्चा सकारात्मक और रचनात्मक तरीके से हुई। बातचीत जारी रहेगी। अगली बैठक चार मई को होगी।''

बैठक के बाद पुलिस ने यह कार्रवाई उस समय की जब किसान नेता चंडीगढ़ से मोहाली में दाखिल हुए। किसानों को उनके गंतव्य की ओर जाने से रोकने के लिए मोहाली में भारी बैरिकेडिंग की गई थी।

किसान नेता मंगत ने कहा कि पंधेर और डल्लेवाल के अलावा अभिमन्यु कोहाड़, काका सिंह कोटरा और मंजीत सिंह राय को हिरासत में लिया गया है। ऐसी खबरें हैं कि शंभू और खनौरी सीमा पर भी भारी पुलिस बल तैनात किया गया है।

शहरी सहकारी बैंक अपने परिचालन को जोखिमों से निपटने में सक्षम बनाएं : मल्होत्रा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने शहरी सहकारी बैंकों से बुधवार को कहा कि वे अपने परिचालन को सूचना प्रौद्योगिकी और साइबर संबंधी जोखिमों से निपटने में सक्षम बनाएं।

गवर्नर ने देश के विभिन्न भागों में संचालित सभी स्तरों के चुनिंदा शहरी सहकारी बैंकों (यूसीबी) के चेयरमैन, प्रबंध निदेशकों और सीईओ के साथ यहां बैठक की। आरबीआई की ओर से जारी विज्ञप्ति के अनुसार, गवर्नर ने अपने भाषण में जमीनी स्तर पर लोगों की सेवा करने और वित्तीय समावेशन को मजबूत करने में यूसीबी की महत्वपूर्ण भूमिका को स्वीकार किया। बयान के अनुसार, '' उन्होंने भरोसा बनाने और उसे कायम रखने के लिए ग्राहक सेवा के उच्च मानकों को बनाए रखने के महत्व पर बल दिया। यूसीबी को यह भी सुनिश्चित करने की सलाह दी गई कि वे अपने परिचालन को सूचना प्रौद्योगिकी और साइबर-संबंधी जोखिमों से निपटने में सक्षम बनाएं।'' बैठक के चर्चा सत्र के दौरान प्रतिभागियों ने अपनी प्रतिक्रिया साझा की और विभिन्न सुझाव दिए। बैठक में उद्योग निकायों राष्ट्रीय शहरी सहकारी वित्त एवं विकास निगम लि. और नेशनल फेडरेशन ऑफ अर्बन कोऑपरेटिव बैंक्स एंड क्रेडिट सोसाइटीज़ लिमिटेड के प्रतिनिधियों ने भी हिस्सा लिया। डिप्टी गवर्नर एम राजेश्वर राव और स्वामीनाथन जे के साथ-साथ विनियमन और पर्यवेक्षण के प्रभारी कार्यकारी निदेशक भी बैठक में उपस्थित रहे।

कांग्रेस नेताओं को थरूर का अनुसरण करना चाहिए: भाजपा

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बुधवार को रूस-यूक्रेन युद्ध को लेकर सरकार के रूख की कांग्रेस नेता शशि थरूर द्वारा की गई सराहना को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत की कुशल कूटनीति का समर्थन बताया।

पूर्व केंद्रीय मंत्री और लोकसभा सदस्य रविशंकर प्रसाद ने यूक्रेन पर रूसी आक्रमण के खिलाफ नहीं बोलने के लिए सरकार की आलोचना को लेकर थरूर की स्वीकारोक्ति को 'देर आए दुरुस्त आए' का मामला बताया।

थरूर ने मंगलवार को कहा था कि रूस-यूक्रेन युद्ध छिड़ने के बाद भारत के रुख का विरोध करना उनके लिए शर्मिंदगी भरी बात साबित हुयी है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत सरकार द्वारा अपनाई गई नीति के कारण देश अब उस स्थिति में है जहां वह स्थायी शांति के लिए भूमिका निभा सकता है। रूस ने जब यूक्रेन पर हमला किया था तो थरूर ने भारत के रुख की आलोचना की थी और मॉस्को के इस कदम की निंदा करने का आह्वान किया था।

स्वास्थ्य सेवा पर जीडीपी के 2.5 प्रतिशत खर्च के लक्ष्य की ओर बढ़ रहे हैं : नड्डा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे पी नड्डा ने बुधवार को राज्यसभा में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में स्वास्थ्य क्षेत्र में देश में बहुत बड़ा नीतिगत परिवर्तन हुआ है और इसके दूरगामी प्रभाव पड़ेंगे।

साथ ही उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवा पर सरकार का खर्च सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 1.84 प्रतिशत तक पहुंच गया है और यह धीरे-धीरे 2.5 प्रतिशत के लक्ष्य की ओर बढ़ रहा है। स्वास्थ्य मंत्रालय के कामकाज पर राज्यसभा में हुई चर्चा का जवाब देते हुए नड्डा ने कहा कि 2013-14 में, स्वास्थ्य सेवा के लिए धन का आवंटन लगभग 38,000 करोड़ रुपए था जो वर्तमान में 99,000 करोड़ रुपए तक पहुंच गया है। उन्होंने कहा कि मान लें कि यह एक लाख करोड़ रुपए है। नड्डा ने कहा, ''2013-14 में सरकारी स्वास्थ्य व्यय, जिसमें राज्य और केंद्र शामिल हैं, 1.15% था और जब स्वास्थ्य नीति प्रतिपादित की गई थी तब यह 1.35% था। अब, यह जीडीपी का 1.84% है। हम धीरे-धीरे 2.5% की ओर बढ़ रहे हैं।'' राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति 2017 में 2025 तक जीडीपी के हिस्से के रूप में सरकारी स्वास्थ्य व्यय (जीएचई) को बढ़ाकर 2.5% करने का प्रावधान किया गया है। देश भर में लगभग 1.75 लाख आयुष्मान आरोग्य मंदिर स्वास्थ्य संस्थान के साथ रोगी के पहले 'संपर्क बिंदु' के रूप में काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार ने कुछ आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानकों (एनक्यूएएस) को लागू किया है।

कोंकण रेलवे का भारतीय रेलवे में विलय करने के पक्ष में है महाराष्ट्र : फडणवीस

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने बुधवार को विधान परिषद में घोषणा की कि महाराष्ट्र सरकार कोंकण रेलवे निगम लिमिटेड (केआरसीएल) के भारतीय रेलवे में विलय को अपनी मंजूरी देगी। उन्होंने कहा कि इस कदम से केआरसीएल को अपनी वित्तीय बाधाओं को दूर करने में मदद मिलेगी, जबकि इसका नाम 'कोंकण रेलवे' बरकरार रहेगा।

राज्य विधानमंडल के ऊपरी सदन में भाजपा के प्रवीण दारेकर के प्रश्न के उत्तर में फडणवीस ने कहा, ''महाराष्ट्र (कोंकण रेलवे के) विलय के लिए अपनी सहमति से केंद्र को अवगत कराएगा।'' मुख्यमंत्री ने कहा, ''चाहे रेलवे ट्रैक का दोहरीकरण हो या भूस्खलन निरोधक उपाय करना हो, केआरसीएल धन की कमी के कारण आगे नहीं बढ़ सका।'' इस मुद्दे पर केंद्र सरकार के साथ कई बार चर्चा हुई और रेल मंत्री ने समाधान के तौर पर विलय का प्रस्ताव रखा।

'हाइपरलूप' अभी शुरुआती चरण में, दुनिया भर में सुरक्षा मानक अभी तय नहीं : वैष्णव

नई दिल्ली/भाषा। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को लोकसभा को बताया कि 'हाइपरलूप' परिवहन की एक उभरती हुई तकनीक है और देश में यह विकास के शुरुआती चरण में है। वैष्णव ने लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में कहा, ''दुनिया भर में हाइपरलूप के तकनीकी और सुरक्षा मानकों को अभी तक तैयार नहीं किया गया है।'' हाइपरलूप ट्रेन चुंबकीय शक्ति पर आधारित तकनीक है जिसके तहत खंभों पर पारदर्शी ट्यूब बिछाई जाती है। रेल मंत्री ने हवाई गतिशीलता समाधानों के अनुसंधान और विकास के संबंध में भाजपा सांसद निशिकांत दुबे द्वारा पूछे गए सवालों का जवाब दिया। दुबे ने प्रस्तावित 11.5 किलोमीटर लंबे 'हाइपरलूप ट्रैक' के पूरा होने की अनुमानित समयसीमा और अन्य चीजों के अलावा गति, ऊर्जा दक्षता और पर्यावरणीय प्रभाव के संदर्भ में हाइपरलूप तकनीक के अपेक्षित लाभों के बारे में सवाल किया था।

सोना 700 रुपए चढ़कर 91,950 रुपए के नए उच्चस्तर पर, चांदी का भी नया रिकॉर्ड

नई दिल्ली/भाषा। शादी-विवाह के सीजन से पहले आभूषण विक्रेताओं की सतत लिवाली के कारण बुधवार को राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के सर्राफा बाजार में सोने की कीमत 700 रुपए के उछाल के साथ 91,950 रुपए प्रति 10 ग्राम के नए सर्वकालिक रिकॉर्ड उच्चस्तर पर पहुंच गई। अखिल भारतीय सर्राफा संघ ने यह जानकारी दी। इसके अलावा, पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और अमेरिकी आर्थिक मंदी की चिंताओं ने सुरक्षित-संपत्तियों की मांग को बरकरार रखा है। पिछले कारोबारी सत्र में 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 91,250 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 700 रुपए बढ़कर 91,500 रुपए प्रति 10 ग्राम की रिकॉर्ड ऊंचाई को छू गया। बाजार सूत्रों ने कहा कि त्योहारी और शादी-ब्याह के मौसम की मांग को पूरा करने के लिए स्थानीय आभूषण विक्रेताओं की लिवाली बढ़ने तथा विदेशी बाजारों में मजबूती के रुख से सोने की कीमतें इस साल के उच्चतम स्तर पर पहुंच गईं। चांदी की कीमत भी 1,000 रुपए की तेजी के साथ 1,03,500 रुपए प्रति किलोग्राम के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई, जबकि मंगलवार को चांदी का भाव 1,02,500 रुपए प्रति किलोग्राम पर बंद हुआ था।

नदियों को जोड़ने की परियोजनाओं की गति, नमामि गंगे पर कम खर्च किये जाने का मुद्दा लोकसभा में उठा

नई दिल्ली/भाषा। विपक्षी सांसदों ने नदियों को जोड़ने की परियोजनाओं की सुस्त गति, नमामि गंगे कार्यक्रम पर कम खर्च और जल जीवन मिशन का पर्याप्त क्रियान्वयन न हो पाने का मुद्दा बुधवार को लोकसभा में उठाया। द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के टी. आर. बालू ने वर्ष 2025-26 के लिए जल शक्ति मंत्रालय से संबंधित अनुदानों की मांगों पर चर्चा में हिस्सा लेते हुए कहा कि 2014 के लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान मौजूदा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अंतरराज्यीय स्तर पर नदियों को जोड़ने का वादा किया था। लेकिन हिमालयी नदियों और प्रायद्वीपीय नदियों को जोड़ने के लिए अब तक कोई योजना नहीं बनाई गई। उन्होंने दावा किया, ''अब तक कोई डीपीआर (विस्तृत परियोजना रिपोर्ट) नहीं बनाई गई है।'' उन्होंने उत्तर प्रदेश और मध्यप्रदेश के बीच केन-बेतवा नदी संपर्क परियोजना का जिक्र करते हुए कहा, ''हम इसके खिलाफ नहीं हैं। इस पर 9,000 करोड़ रुपए से अधिक खर्च करने की घोषणा की गई, लेकिन हम जानना चाहते हैं कि यह परियोजना कब पूरी होगी।'' उन्होंने कहा कि जल जीवन मिशन (जेजेएम) के तहत अब तक 80 प्रतिशत योजनाओं को ही पूरा किया गया है और केवल 15 करोड़ परिवारों को नल से जल का कनेक्शन उपलब्ध कराया गया है।

द्रमुक सांसद ने कहा कि मिशन के लिए पिछले वित्त वर्ष में 70,000 करोड़ रुपए आवंटित किये गए, लेकिन सरकार ने केवल 20,000 करोड़ रुपए खर्च किए।

किसान नेताओं के साथ चर्चा जारी रहेगी, अगली बैठक चार मई को: शिवराज चौहान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। किसान नेताओं और केंद्रीय प्रतिनिधिमंडल के बीच सातवें दौर की वार्ता बुधवार को यहां संपन्न हुई, जिसमें केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने अगली बैठक चार मई को आयोजित किये जाने की घोषणा की। यह वार्ता किसानों द्वारा उठाई गई विभिन्न मांगों पर चर्चा करने के लिए आयोजित की गई थी, जिसमें फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की कानूनी गारंटी भी शामिल थी।

बैठक के बाद चौहान ने कहा, ''सौहार्दपूर्ण माहौल में सकारात्मक चर्चा हुई। बातचीत जारी रहेगी। अगली बैठक चार मई को होगी।''

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान, उपभोक्ता मामलों के मंत्री प्रह्लाद जोशी और वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल बुधवार पूर्वाह्न 11 बजकर 50 मिनट पर बैठक के लिए सेक्टर-26 स्थित महात्मा गांधी लोक प्रशासन संस्थान पहुंचे थे। पंजाब के वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा और कृषि मंत्री गुरमीत सिंह खुड्डियां ने भी बैठक में हिस्सा लिया। बातचीत से पहले किसान नेता सरवन सिंह पंधेर ने कहा था कि संयुक्त किसान मोर्चा (गैर-राजनीतिक) और किसान मजदूर मोर्चा का 28 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल बैठक में हिस्सा लेगा। संयुक्त किसान मोर्चा (गैर-राजनीतिक) और किसान मजदूर मोर्चा किसानों के आंदोलन की अगुवाई कर रहे हैं।

पंधेर ने कहा कि किसानों को उम्मीद है कि सरकार उनके समस्या का समाधान करेगी। उन्होंने संवाददाताओं से कहा था, ''हम सकारात्मक सोच के साथ बैठक के लिए यहां आए हैं। बैठक में कुछ निर्णय होना चाहिए। हमें उम्मीद है कि एमएसपी गारंटी कानून पर गतिरोध समाप्त होगा और बातचीत आगे बढ़ेगी।''

सरकारी कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति आयु में बदलाव का कोई प्रस्ताव नहीं: केंद्र सरकार

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय कार्मिक राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने बुधवार को कहा कि सरकार अपने कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति आयु में बदलाव के किसी प्रस्ताव पर विचार नहीं कर रही है। लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में सिंह ने यह भी कहा कि कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति से पैदा होने वाली रिक्तियों को खत्म करने की सरकार की कोई नीति नहीं है। सिंह ने कहा, ''सरकार के पास सरकारी कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति आयु में बदलाव का कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है।'' यह पूछे जाने पर कि क्या किसी सरकारी कर्मचारी संघ या संगठन ने सेवानिवृत्ति आयु में बदलाव की मांग की है, मंत्री ने कहा, ''राष्ट्रीय परिषद (संयुक्त सलाहकार तंत्र) से कर्मचारियों की ओर से कोई औपचारिक प्रस्ताव प्राप्त नहीं हुआ है।'' केंद्र और विभिन्न राज्य सरकारों के कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति आयु का विवरण और उनकी सेवानिवृत्ति आयु में असमानता के कारणों के सवाल पर सिंह ने कहा, ''सरकार में ऐसा कोई डेटा केंद्रीय रूप से नहीं रखा जाता है क्योंकि विषय राज्य की सूची में आता है।''

कांग्रेस ने महिला आरक्षण कानून लागू करने की मांग की

अहमदाबाद/भाषा। महाराष्ट्र और दिल्ली के विधानसभा चुनावों में करारी हार के बाद बिहार में अच्छे प्रदर्शन के लिए एड़ी-चोटी का जोर लगा रही कांग्रेस ने लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं को 33% आरक्षण देने वाले कानून के क्रियान्वयन के लिए बड़े पैमाने पर प्रदर्शन की योजना बनाई है।

अखिल भारतीय महिला कांग्रेस अध्यक्ष अलका लांबा ने बुधवार को मांग की कि केंद्र की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार इस कानून के क्रियान्वयन की शुरुआत बिहार से करे। उन्होंने कहा कि महिला आरक्षण कानून को लागू करने में विफलता की सूरत में बिहार और अन्य राज्यों में महिला कार्यकर्ता सड़कों पर उतर आएंगी।

महिला आरक्षण कानून लाने के पीछे राजनीतिक मकसद होने का आरोप लगाते हुए लांबा ने कहा कि इसे लागू करने में देरी भारत की महिलाओं के साथ विश्वासघात करने के समान है। उन्होंने कहा, ''वर्ष 2014 से भाजपा की पूर्ण बहुमत वाली सरकार है, लेकिन महिला आरक्षण विधेयक 2024 के चुनाव से ठीक पहले पारित किया गया। इसे लागू क्यों नहीं किया जा रहा है? यह मोदीजी से हमारा अगला सवाल है।''

आंध्र सरकार, गेट्स फाउंडेशन ने जन कल्याण के लिए प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने के लिए समझौता किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/अमरावती/भाषा। आंध्र प्रदेश सरकार और गेट्स फाउंडेशन ने बुधवार को स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और कृषि के क्षेत्रों में जन कल्याण के लिए प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किये। इस समझौते पर मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू और माइक्रोसॉफ्ट के संस्थापक एवं गेट्स फाउंडेशन के अध्यक्ष बिल गेट्स की मौजूदगी में नई दिल्ली में हस्ताक्षर किए गए।

मुख्यमंत्री ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''हमारे (नायडू और गेट्स) बीच इस बात पर बहुत सार्थक चर्चा हुई कि किस प्रकार आंध्र प्रदेश सरकार और गेट्स फाउंडेशन आंध्र प्रदेश के लोगों के विकास और कल्याण के लिए सहयोग कर सकते हैं।''

नायडू ने कहा कि उन्होंने स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, कृषि और रोजगार सृजन जैसे प्रमुख क्षेत्रों में सेवा वितरण में सुधार के लिए कृत्रिम मेधा (एआई) जैसी उन्नत प्रौद्योगिकियों के उपयोग की संभावना तलाशी। उन्होंने एक विज्ञप्ति में कहा, ''गेट्स फाउंडेशन के साथ हमारी साझेदारी आंध्र प्रदेश के विकास लक्ष्यों को आगे बढ़ाने में सहायक हो सकती है। स्वास्थ्य, कृषि और शिक्षा में एआई-संचालित शासन, मानव पूंजी विकास और तकनीकी नवाचारों का लाभ उठाकर, इस समझौता ज्ञापन से ऐसे परिवर्तनकारी परिणाम सामने आयेंगे जिससे हमारे राज्य को फायदा मिलेगा।''

गेट्स के साथ अपनी बैठक के बाद नायडू ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में राज्य के दीर्घकालिक विकास लक्ष्य 'स्वर्ण आंध्र प्रदेश 2047' के दृष्टिकोण को साकार करने में गेट्स फाउंडेशन की भूमिका की सराहना की।

नायडू ने कहा, ''हमारा मानना है कि गेट्स फाउंडेशन के साथ यह साझेदारी हमारे लोगों को सशक्त बनाने और इस लक्ष्य को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।''

भाजपा के कई नेता केवल मोदी के नाम पर चुनाव जीतते हैं : जया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। नेता लोकप्रियता के मामले में क्या फिल्म अभिनेताओं की बराबरी कर सकते हैं, इस सवाल पर अभिनेत्री एवं समाजवादी पार्टी (सपा) सांसद जया बच्चन ने ''नहीं'' में जवाब दिया और कहा कि ''तब तक नहीं जब तक आप प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी न हों।''

इंडिया टीवी द्वारा आयोजित 'शी' कॉन्क्लेव को संबोधित करते हुए जानीमानी अभिनेत्री जया बच्चन ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कई नेता सिर्फ मोदी के नाम की वजह से चुनाव जीतते हैं। उन्होंने कहा, ''मैं इस बात को बहुत दृढ़ता से महसूस करती हूं। मैं विपक्ष में हूं, लेकिन तथ्य यह है कि सत्ताधारी पार्टी के नेता, चाहे वे फिल्म अभिनेता हों या अन्य, सिर्फ नरेन्द्र मोदी के नाम की वजह से विजयी होते हैं, न कि अपनी राजनीतिक क्षमता की वजह से।''

जया बच्चन ने फिल्मी सितारों के राजनीति में आने के बारे में भी विस्तार से बात की। उन्होंने कहा,

''हो सकता है कि एक अभिनेता बनने और सफलता पाने के बाद, आप जनता के लिए कुछ करना चाहते हों। अगर आज कोई नेता खड़ा होता है, तो कृपया मुझे यह कहने के लिए माफ करें, लेकिन आपको देखने चार आदमी भी नहीं आएंगे जब तक कि आप एक जाने-माने व्यक्ति न हों।'' उन्होंने कहा कि हालांकि, अगर कोई छोटा सा कलाकार भी है तो लोग उसे देखने आएंगे। सपा सांसद जया बच्चन ने कहा, ''वे आपको वोट दें या नहीं, यह उन पर निर्भर करता है, लेकिन वे आपको देखने जरूर आएंगे। राजनीति में लोग चाहते हैं कि भीड़ जुटे और उन्हें सुने, लेकिन पहले जरूरी है कि जनता आपको देखने आए और उसके बाद ही वे आपको सुन सकते हैं।''

यह पूछे जाने पर कि क्या नेता कभी अभिनेताओं की लोकप्रियता की बराबरी कर सकते हैं, बच्चन ने जवाब दिया, ''नहीं। जब तक कि आप नरेन्द्र मोदी न हों।''

परिसीमन लागू करने का अर्थ जनसंख्या पर काबू पाने वाले राज्यों को दंडित करना होगा : राज्यसभा में द्रमुक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/नई दिल्ली। द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के सदस्य पी विल्सन ने बुधवार को राज्यसभा में कहा कि इस समय संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों के परिसीमन को लागू करने का अर्थ जनसंख्या पर सफलतापूर्वक काबू करने वाले राज्यों को अनुचित तरीके से दंडित करना तथा इसमें विफल रहे राज्यों को पुरस्कृत करना होगा। राज्यसभा में शून्यकाल के दौरान इस मुद्दे को उठाते हुए विल्सन ने लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के निर्वाचन क्षेत्रों के परिसीमन के प्रति समग्र दृष्टिकोण अपनाने की भी मांग की।

उन्होंने कहा कि सभी राज्यों का उचित प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने के लिए 1952, 1962 और 1972 में प्रत्येक जनगणना के बाद परिसीमन किया गया था। विल्सन ने कहा कि कुछ राज्यों ने परिवार नियोजन नीतियों को अपनाया, जबकि अन्य ने इस मुद्दे को नजरअंदाज कर दिया, जिसके कारण उनकी आबादी अनियंत्रित हो गई। उन्होंने कहा कि इसलिए इस असमानता को दूर करने के लिए 42 वें संवैधानिक संशोधन ने 1971 की जनगणना के आंकड़ों के आधार पर 25 वर्षों के लिए परिसीमन को टाल दिया, जिससे उन राज्यों की रक्षा हुई। वरिष्ठ द्रमुक सदस्य ने कहा कि वर्ष 2000 में लोकसभा तथा राज्य विधानसभाओं में सीटों के पुनर्निर्धारण पर अगले 25 वर्षों (वर्ष 2026 तक) तक के लिये प्रतिबंध बढ़ा दिया गया क्योंकि इसका उद्देश्य जनसंख्या को सीमित करने के उपायों को प्रोत्साहित करना था।

विल्सन ने कहा कि आंकड़ों से पता चलता है कि तमिलनाडु जैसे राज्यों में कुल प्रजनन दर 1.7 और केरल में 1.8 पर सीमित रही। उन्होंने कहा कि यह दर्शाता है कि इन राज्यों ने अपनी जनसंख्या को सफलतापूर्वक स्थिर कर लिया है। इसके विपरीत, उत्तर प्रदेश में यह दर 2.4 और बिहार में 3.0 है। उन्होंने कहा कि इसका अर्थ है कि इन राज्यों में जनसंख्या वृद्धि में तेजी जारी है।

विल्सन ने कहा, ''इससे पता चलता है कि 2026 में रोक हटाने का मूल तर्क अब मान्य नहीं है।'' उन्होंने कहा, ''इस तर्क पर परिसीमन को लागू करने से उन राज्यों को अनुचित तरीके से दंडित किया जाएगा जिन्होंने जनसंख्या को सीमित करने के उपायों को सफलतापूर्वक लागू किया। जबकि उन लोगों को पुरस्कृत किया जाएगा जो इसे असफल रहे।'' उन्होंने कहा कि इसका परिणाम तमिलनाडु जैसे उन राज्यों के लिए 'आपदा' साबित हो सकते हैं, जिन्होंने अपनी आबादी को प्रभावी ढंग से नियंत्रित किया है।

द्रमुक सदस्य ने कहा कि अगर 2026 की जनगणना के आधार पर संसदीय सीटों की संख्या बढ़ाई जाती है, तो राजस्थान, बिहार, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों को सामूहिक रूप से 150 से अधिक अतिरिक्त सीटें मिल सकेंगी।

विल्सन ने कहा कि इसके विपरीत दक्षिणी राज्य तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में सामूहिक रूप से केवल 35 सीटें ही हासिल कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि अगर लोकसभा की मौजूदा 543 सीटों को बरकरार रखा जाता है और 2026 की जनगणना के आधार पर पुनर्वितरित किया जाता है, तो तमिलनाडु को आठ सीटों का नुकसान होगा, जबकि उत्तर प्रदेश और बिहार को 21 सीटों का फायदा होगा। उनके अनुसार, जिन राज्यों ने राष्ट्रीय परिवार नियोजन नीति को प्रभावी ढंग से लागू किया है, उन्हें दंड का सामना करना पड़ेगा। विल्सन ने कहा कि इसके परिणामस्वरूप इन राज्यों का राजनीतिक प्रतिनिधित्व कम होगा और उनकी ताकत भी घटेगी। उन्होंने कहा, यह बदलाव उन राज्यों के पक्ष में होगा जिन्होंने राष्ट्रीय परिवार नीति नियोजन का पालन नहीं किया है। क्यों? हमें अपना सही प्रतिनिधित्व और राजनीतिक लाभ क्यों गंवाना चाहिए? परिवार नियोजन की उपेक्षा करने वाले राज्यों को बढ़े हुए प्रतिनिधित्व के साथ पुरस्कृत क्यों किया जा रहा है?

विल्सन ने कहा, ''यह उन राज्यों के खिलाफ राजनीतिक तख्तापलट से कम नहीं है जो हमारी राष्ट्रीय सोच के लिए प्रतिबद्ध हैं।'' उन्होंने प्रधानमंत्री से इस मुद्दे का समाधान करने का आग्रह किया।

संबोधन — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई में बुधवार को विधानसभा में तिरुनेलवेली में एक सेवानिवृत्त विशेष सहायक पुलिस निरीक्षक की हत्या पर ध्यान आकर्षित करने के जवाब में विधानसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री एमके स्टालिन।

वाइको ने श्रीलंकाई नौसेना के हमले में भारतीय मछुआरों की मौत का मुद्दा राज्यसभा में उठाया

चेन्नई/नई दिल्ली। राज्यसभा में बुधवार को मरुमलार्ची द्रविड़ मुनेत्र कषगम (एमडीएमके) सदस्य वाइको ने श्रीलंकाई नौसेना द्वारा तमिलनाडु के मछुआरों की हत्या किए जाने का मुद्दा उठाया और केंद्र पर ठोस कार्रवाई नहीं करने का आरोप लगाया। हालांकि, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने उनके आरोप को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि केंद्र सरकार मछुआरों की मदद में कोई कमी नहीं रख रही है। वाइको ने राज्यसभा में शून्यकाल के दौरान कहा कि पिछले 40 सालों में श्रीलंकाई नौसेना द्वारा तमिलनाडु के 843 मछुआरों पर हमला किया गया। उन्होंने पिछले 45 दिनों में हुए ऐसे हमलों का उल्लेख किया और श्रीलंकाई नौसेना के अमानवीय व्यवहार के खिलाफ ठोस कार्रवाई की मांग की।

वाइको ने कहा कि कोई ऐसा दिन नहीं होता जब तमिल मछुआरों पर हमले नहीं होते। उन्होंने कहा कि इसके खिलाफ आज भी रामेश्वरम में हजारों मछुआरे केंद्र सरकार से न्याय की मांग कर रहे हैं। वाइको ने कहा कि तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने इस मुद्दे पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और विदेश मंत्री एस जयशंकर से मुलाकात और उन्हें कई पत्र भी लिखे। उन्होंने कहा, ''...भारत सरकार ने हमें अनाथ छोड़ दिया है।'' सीतारमण ने कहा कि वह वाइको की भावनाओं का सम्मान करती हैं और वह इस मुद्दे को लेकर बहुत भावुक हो जाते हैं।

उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि एक लाइन उन्होंने गुस्से में बोला है। यह गलत है। इसे सदन की कार्यवाही से हटाया जाना चाहिए।'' बाद में उपसभापति ने भारतीय नौसेना के बारे में की गई उनकी टिप्पणी को सदन की कार्यवाही से निकाल दिया। सीतारमण ने कहा कि मछुआरों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सरकार हर प्रयास कर रही है और उनकी मदद में कोई कमी नहीं रखी जाएगी। उन्होंने कहा कि 2014 में प्रधानमंत्री बनने के बाद ही मोदी ने श्रीलंकाई अधिकरियों से बात की थी और सरकार उन मछुआरों को वापस लेकर आई जिन्हें श्रीलंकाई सरकार और वहां की अदालतों ने बंद कर रखा था।

आईआईटी मद्रास के प्रतिष्ठित पूर्व छात्र डॉ. परशुराम बालसुब्रमण्यम ने एक्वामैप रिसर्च सेंटर को 5 करोड़ रु. प्रदान किए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास (आईआईटी मद्रास) के प्रतिष्ठित पूर्व छात्र डॉ. परशुराम बालसुब्रमण्यन, संस्थान में जल प्रबंधन एवं नीति केंद्र – एक्वामैप को 5 करोड़ रुपये का वित्त पोषण प्रदान कर रहे हैं, ताकि केंद्र के निरंतर विकास और प्रभाव के लिए एक कोष स्थापित किया जा सके। एक्वामैप परिवर्तनकारी जल प्रबंधन समाधानों पर काम करता है, जो नवाचार और सामाजिक प्रभाव के लिए आईआईटी मद्रास की प्रतिबद्धता को मजबूत करता है।

यह केंद्र भारत सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार (पीएसए) के कार्यालय के सहयोग से संचालित होता है। थीम वर्क एनालिटिक्स के सीईओ डॉ. परशुराम बालासुब्रमण्यम और इतिहास रिसर्च एंड डिजिटल के अध्यक्ष श्री कृष्णन नारायणन के उदार बीज अनुदान से आईआईटी मद्रास में 2022 में स्थापित एक्वामैप तेजी से जल प्रबंधन और नीति समाधान के लिए समर्पित एक अग्रणी अंत:विषय केंद्र के रूप में उभरा है। जल प्रौद्योगिकी जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में इस तरह के समर्थन के महत्व पर प्रकाश डालते हुए, आईआईटी मद्रास के डीन (पूर्व छात्र और कॉर्पोरेट संबंध) प्रो. अश्विन महालिंगम ने कहा, हम डॉ. परशुराम बालासुब्रमण्यम के बेहद आभारी हैं, जिन्होंने अपने संस्थान आईआईटी मद्रास में परिवर्तनकारी जल प्रबंधन अनुसंधान के लिए निरंतर योगदान दिया है। एक्वामैप में उनका योगदान न केवल प्रभावशाली अनुसंधान को आगे बढ़ाने में मदद करेगा, बल्कि हमारे राष्ट्र की जरूरतों के लिए विशेष रूप से डिजाइन किए गए अभिनव, स्केलेबल और टिकाऊ जल प्रबंधन समाधान भी लाएगा। हमेशा की तरह, हमारे पूर्व छात्र समुदाय आईआईटी मद्रास से निकलने वाली हर सामाजिक रूप से प्रभावशाली शोध पहल के लिए हमारे समर्थन का सबसे मजबूत स्तंभ रहे हैं और डॉ. परशुराम की परोपकारी पहल इस बात का प्रमाण है।

एक्वामैप आईआईटी मद्रास के विभिन्न विभागों के 26 संकाय सदस्यों की विशेषज्ञता को एक साथ लाता है, जो महत्वपूर्ण जल-संबंधी चुनौतियों का समाधान करने के लिए सहयोगात्मक प्रयासों को बढ़ावा देता है। अपनी स्थापना के बाद से, केंद्र ने तमिलनाडु और कर्नाटक के गांवों में एक दर्जन से अधिक जल और अपशिष्ट जल प्रबंधन परियोजनाओं को क्रियान्वित करते हुए महत्वपूर्ण प्रगति की है। इनमें से कई पहलों को आईबीएम और एमेडियस सॉफ्टवेयर सहित प्रमुख उद्योग भागीदारों द्वारा वित्त पोषित किया जाता है। एक्वामैप की एक उल्लेखनीय उपलब्धि कर्नाटक के चिक्काबल्लापुर जिले के मल्लुर पंचायत के मुथुर गांव में प्रकृति-आधारित समाधानों का उपयोग करके ग्रामीण अपशिष्ट जल प्रबंधन का सफल कार्यान्वयन है। इस पहल ने एक बेंचमार्क स्थापित किया है, जिसने कर्नाटक सरकार को लगभग 500 ग्राम पंचायतों में इस मॉडल को लागू करने के लिए प्रेरित किया है।

कर्नाटक के अलावा, एक्वामैप ने जल गुणवत्ता आश्वासन सुनिश्चित करने, जल सुरक्षा योजनाओं को लागू करने, जल गुणवत्ता की निगरानी करने और राज्य भर में उनके प्रमुख 247 'ड्रिंक फ्रॉम टैप' कार्यक्रम के लिए डेटा प्रबंधन के लिए ओडिशा सरकार के जल निगम (थ-ढउज) को रणनीतिक तकनीकी मार्गदर्शन प्रदान किया है। इस पहल की सफलता पर बोलते हुए, भारत सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार के कार्यालय में रणनीतिक गठबंधन की निदेशक डॉ. सपना पोती ने कहा, इस विकेंद्रीकृत अपशिष्ट जल उपचार पहल की सफलता लक्षित हस्तक्षेपों की परिवर्तनकारी क्षमता को उजागर करती है। हालांकि, ऐसे समाधानों को देश भर में लागू करने के लिए, उच्च नेट-वर्थ व्यक्तियों (एचएनआई) और परोपकारी संगठनों से रणनीतिक फंडिंग आवश्यक है। सीड फंडिंग न केवल पायलट परियोजनाओं को गति देती है, बल्कि बड़े पैमाने पर कार्यान्वयन के लिए दरवाजे भी खोलती है, जिससे एक्वामैप जैसे उत्कृष्टता केंद्रों को अपनी पहुंच का विस्तार करने, नीति प्रभाव को आगे बढ़ाने और राष्ट्रीय प्रभाव के लिए अनुकरणीय मॉडल बनाने में मदद मिलती है। सही समर्थन के साथ, यह पहल पूरे भारत में जल संरक्षण, जलवायु लचीलापन और ग्रामीण विकास में इसी तरह के हस्तक्षेपों के लिए उत्प्रेरक बन सकती है।

केंद्र आर्ट ऑफ लिविंग, यूनाइटेड वे, सिरीथुली और ग्रामंतारा जैसे प्रतिष्ठित स्वैच्छिक संगठनों के साथ मिलकर काम करता है और उनके ज्ञान भागीदार के रूप में काम करता है। अपने वैश्विक पदचिह्न का विस्तार करते हुए, एक्वामैप ने नानयांग टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी, सिंगापुर और आईबीएम से 'इंटरनेशनल कॉल फॉर प्रपोजल' के तहत सफलतापूर्वक अंतर्राष्ट्रीय फंडिंग हासिल की है।

REGIONAL RESEARCH INSTITUTE OF UNANI MEDICINE(RRIUM)
(A Unit of Central Council for Research in Unani Medicine)
Ministry of AYUSH, Govt. of India, New Delhi
No.1, West Mada Church Road, Royapuram, Chennai -13

Advertisement No. 1/2025
Walk-in-Interview

Eligible candidates are invited for Walk-in-Interview for engagement on purely contractual basis to the following posts at Regional Research Institute of Unani Medicine, Royapuram, Chennai on the under mentioned date and time.

Sl. No	Name of the Post	No. of Posts	Date & Time of Interview
1.	RESEARCH ASSOCIATE (BIO-CHEMISTRY)	1	27.03.2025 at 09.00 - 11.00 AM
2.	RESEARCH ASSOCIATE (MICROBIOLOGY)	1	27.03.2025 at 11.00AM - 01.00PM
3.	SENIOR RESEARCH FELLOW (BOTANY)	1	27.03.2025 at 02.00 - 04.00PM
4.	RA/SRF/JRF (UNANI)	2	28.03.2025 at 10.00AM - 01.00PM
5.	SENIOR RESEARCH FELLOW (CHEMISTRY)	1	28.03.2025 at 02.00 - 04.00PM

Details of requirements, qualifications and experience are available on the Council's Website **ccrum.res.in** / RRIUM's Website **rriumchennai.org**

Any Change in the schedule will be communicated on the Official Website of CCRUM and RRIUM, Chennai

DEPUTY DIRECTOR

माल्यार्पण — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई में बुधवार को प्रेस और जनसंपर्क विभाग की ओर से 50 लाख रुपये की लागत से एग्मोर संग्रहालय में उन अंग्रेजों की प्रतिमा एकत्र की, जिन्होंने सबसे पहले सिंधु घाटी सभ्यता का खुलासा किया और द्रविड़ सभ्यता की अवधारणा को जन्म दिया। इस मौके पर प्रतिमा पर माल्यार्पण मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने किया। इस मौके पर अनेक वशिष्टजन उपस्थित थे।

सुनीता विलियम्स की वापसी दृढ़ता की ऐतिहासिक जीत है : तमिलनाडु के राज्यपाल

चेन्नई। तमिलनाडु के राज्यपाल आर एन रवि ने बुधवार को कहा कि नासा की अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स की अंतरिक्ष स्टेशन में वैज्ञानिक मिशन के समापन पर धरती पर वापसी महत्वपूर्ण है लेकिन यह इससे भी आगे, दृढ़ता की ऐतिहासिक जीत है जिसने साबित किया कि दृढ़ संकल्प और साहस प्रतिकूल परिस्थितियों को उपलब्धि में बदल देते हैं। राज्यपाल ने सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर को उनके सफल मिशन पर बधाई दी और कहा कि अनंत अंतरिक्ष में महीनों बिताने से धीरज, अनुकूलनशीलता और दृढ़ संकल्प की सीमाओं का परीक्षण हुआ।

मुलाकात — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

नई दिल्ली में मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राज्य सभा सांसद इलियाराजा से मुलाकात की। उन्होंने 'एक्स' पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि एक संगीतकार के रूप में उनकी प्रतिभा का हमारे संगीत और संस्कृति पर जबरदस्त प्रभाव पड़ा है। हर तरह से अग्रणी इलियाराजा ने कुछ दिन पहले लंदन में अपनी पहली पश्चिमी शास्त्रीय सिम्फनी, वैलिएंट, प्रस्तुत करके फिर से इतिहास रच दिया। यह कार्यक्रम विश्व प्रसिद्ध रॉयल फिलहारमोनिक ऑर्केस्ट्रा के सहयोग से आयोजित किया गया था। यह महत्वपूर्ण उपलब्धि उनकी अद्वितीय संगीत यात्रा में एक और अध्याय जोड़ती है – जो वैश्विक स्तर पर उत्कृष्टता प्राप्त करना जारी रखती है।

आईआरईएल (इंडिया) लिमिटेड
(भारत सरकार का उपक्रम-परमाणु ऊर्जा विभाग)
Unleashing Values

विज्ञापन सं.CO/HRM/32/2025

आईआरईएल, भारत सरकार के परमाणु ऊर्जा विभाग के प्रशासनिक नियंत्रण के तहत एक अनुसूची 'बी', मिनी रत्न श्रेणी-I के केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम (सीपीएसई) है। पिछले 7 वर्षों से लगातार कंपनी को एमओयू में 'उत्कृष्ट' मूल्यांकन प्राप्त हुआ है। कंपनी में भारत सरकार की शेयरधारिता 100% है। आईआरईएल (इंडिया) लिमिटेड, निम्नलिखित पदों के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित करता है।

पदनाम	ग्रेड	पदों की संख्या
वित्त		
महाप्रबंधक (वित्त)	ई-7	1
उप महाप्रबंधक (वित्त)	ई-6	1
मुख्य प्रबंधक (वित्त)	ई-5	1
वरिष्ठ प्रबंधक (वित्त)	ई-4	1
सहायक प्रबंधक (वित्त)	ई-1	2
मानव संसाधन प्रबंधन		
उप महाप्रबंधक (मा.सं.प्र.) (भूतपूर्व सैनिक)	ई-6	1
मुख्य प्रबंधक (मा.सं.प्र.)	ई-5	1
सहायक प्रबंधक (मा.सं.प्र.)	ई-1	1
राजभाषा		
सहायक प्रबंधक (राजभाषा)	ई-1	2
व्यवसाय विकास एवं विपणन		
उप महाप्रबंधक (व्यवसाय विकास)	ई-6	1
उप प्रबंधक (विपणन)	ई-2	2
सिविल		
मुख्य प्रबंधक (सिविल)	ई-5	1
प्रबंधक (सिविल)	ई-3	3
उप प्रबंधक (सिविल)	ई-2	1
तकनीकी		
उप महाप्रबंधक (पर्यावरण, सामाजिक एवं सुशासन)	ई-6	1
उप महाप्रबंधक (वाणिज्यिक/क्रय)	ई-6	1
उप महाप्रबंधक (परियोजनाएँ)	ई-6	1
मुख्य प्रबंधक (परियोजनाएँ)	ई-5	1
मुख्य प्रबंधक (वाणिज्यिक/क्रय)	ई-5	1
प्रबंधक (विद्युत)	ई-3	3
प्रबंधक (यांत्रिक)	ई-3	1
उप प्रबंधक (खनिज)	ई-2	1

प्रारंभिक तैनाती स्थान: मुंबई, चवरा (केरल) / मणवालकुरिच्चि (तमिलनाडु) / छत्रपुर (ओडिशा) / अलुवा (केरल)।

इच्छुक एवं पात्र उम्मीदवारों से अनुरोध है कि वे आरक्षण, आयु मानदंड, शैक्षिक योग्यता, अनुभव आवश्यकता, छूट, तैनाती स्थान और अन्य प्रासंगिक विवरणों के संबंध में विस्तृत जानकारी प्राप्त करने हेतु कृपया आईआरईएल की वेबसाइट (www.irel.co.in) के 'करियर' अनुभाग पर जाएँ।

किसी भी परिशिष्ट/शुद्धिपत्र/संशोधन को केवल आईआरईएल की वेबसाइट पर ही अधिसूचित किया जाएगा।

ऑनलाइन आवेदन एवं शुल्क भुगतान करने की तिथि: 20.03.2025 (14:00 बजे) से 10.04.2025 (14:00 बजे)

स्थान: मुंबई
दिनांक:- 18.03.2025
CBC 48129/12/0007/2425
हस्ताक्षरित
मुख्य महाप्रबंधक (मा.सं.प्र.)

मदुरै में धूमधाम से निकाली गई भगवान मुरुगन की भव्य रथ यात्रा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मदुरै। तमिलनाडु के प्रसिद्ध थिरुपरनकुंद्रम मुरुगन मंदिर में चल रहे पंगुनी महोत्सव के तहत बुधवार को भगवान मुरुगन की भव्य रथ यात्रा (थेरोट्टम) निकाली गई। इस पवित्र आयोजन में हजारों श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और भक्तिभाव से भगवान मुरुगन के विशाल रथ को खींचा। पूरे शहर में भक्तिमय माहौल देखने को मिला, जहां श्रद्धालु अरोहरा के जयकारों के साथ भगवान के रथ को खींच रहे थे।

यह पंगुनी महोत्सव हर साल तमिल कैलेंडर के पंगुनी महीने (मार्च-अप्रैल) में बड़े धूमधाम से मनाया जाता है। इस वर्ष इसकी शुभ शुरुआत 5 मार्च को ध्वजारोहण के साथ हुई थी। पूरे 15 दिनों तक चलने वाले इस भव्य महोत्सव में भगवान मुरुगन की दिव्य सवारियों की शोभायात्रा निकाली जाती है। इनमें स्वर्ण मयूर वाहन, स्वर्ण घोड़ा वाहन सहित कई अन्य भव्य रथ शामिल होते हैं, जो भक्तों को दिव्य आशीर्वाद प्रदान करते हैं। महोत्सव के दौरान बीते दिन मंदिर में भगवान मुरुगन के विवाह उत्सव 'तिरुकल्याणम' का आयोजन किया गया। इस शुभ अवसर पर मदुरै के प्रसिद्ध सुंदरेश्वर मंदिर के भगवान सुंदरेश्वर और देवी मीनाक्षी भी शामिल हुए। भगवान मुरुगन और उनकी दिव्य संगिनी वल्ली के इस विवाह उत्सव को देखने के लिए हजारों श्रद्धालु उमड़े। इस दौरान मंदिर परिसर में विशेष पूजा-अर्चना, भजन-कीर्तन और वैदिक मंत्रोच्चारण का आयोजन किया गया, जिससे संपूर्ण वातावरण भक्तिमय बन गया। बुधवार को प्रातः 5:45 बजे भगवान मुरुगन का विशेष अभिषेकम (धार्मिक स्नान) संपन्न हुआ, जिसके बाद उनकी भव्य रथ यात्रा का शुभारंभ हुआ। इस दौरान श्रद्धालुओं ने पूरे श्रद्धा भाव से भगवान मुरुगन के दिव्य रथ को खींचा। मंदिर के पुजारियों द्वारा विशेष पूजन और आरती का आयोजन किया गया, जिसमें हजारों भक्तों ने भाग लिया। इस रथ यात्रा के दौरान भक्तगण मुरुगनुकु अरोहरा के जयकारों के साथ आगे बढ़ते रहे। मंदिर के चारों ओर भव्य सजावट की गई थी, और पूरा वातावरण आध्यात्मिक उल्लास से सराबोर नजर आया। थिरुपरनकुंद्रम मुरुगन मंदिर को भगवान मुरुगन के छह प्रमुख आरूपदै वेडु (छह निवासों) में से एक माना जाता है। यह मंदिर अपने ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व के लिए प्रसिद्ध है। पंगुनी महोत्सव न केवल धार्मिक बल्कि सांस्कृतिक रूप से भी बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है, क्योंकि यह भक्तों को आध्यात्मिक अनुभूति के साथ-साथ सांस्कृतिक परंपराओं से भी जोड़ता है।

कोचिंग सेंटर में आत्महत्या रोकने के लिए विधानसभा में बिल पेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान विधानसभा में बुधवार को उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने राजस्थान कोचिंग सेंटर नियंत्रण और विनियमित विधेयक 2025 को पुनःस्थापित किया। इस विधेयक पर दो दिन बाद चर्चा होगी और इसे पारित किया जाएगा। विधेयक में कोचिंग सेंटरों पर सख्त नियंत्रण और निगरानी के प्रावधान किए गए हैं।

बिल में कोचिंग सेंटरों की मान्यता रद्द करने, भारी जुर्माना लगाने और लैंड रेवेन्यू एक्ट के तहत जब्ती जैसे प्रावधान शामिल हैं। कोचिंग स्टूडेंट्स की आत्महत्याओं के मामलों पर हाईकोर्ट द्वारा सरकार से जवाब मांगने के बाद इस विधेयक को पेश किया गया। इस कानून के पारित होने के बाद हर कोचिंग सेंटर के लिए रजिस्ट्रेशन अनिवार्य होगा। विद्यार्थियों की सुविधा और निगरानी के लिए राज्य स्तरीय पोर्टल और काउंसलिंग के लिए हेल्पलाइन बनाई जाएगी। विधेयक में कोचिंग सेंटर्स पर मनमानी फीस वसूली पर रोक और विद्यार्थियों को तनाव मुक्त माहौल देने की अनिवार्यता शामिल है। बीच में कोचिंग छोड़ने पर फीस लौटाने का प्रावधान भी किया गया है। बिल के अनुसार 50 या इससे अधिक विद्यार्थियों वाले कोचिंग सेंटर्स को कानूनी दायरे में लाया जाएगा। इसके लिए राजस्थान कोचिंग इंस्टीट्यूट कंट्रोल्ड एंड रेगुलेशन अथॉरिटी का गठन किया जाएगा। यह विधेयक विद्यार्थियों की मानसिक स्वास्थ्य और उनकी सुरक्षा के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है।

सरकार कुंभकरण की नींद सो रही है, इसे जगाने का करें प्रयास : टीकाराम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

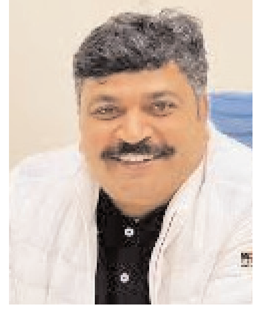

जयपुर। राजस्थान विधानसभा में अवैध बजरी खनन का मामला गूंजा। नेता प्रतिपक्ष जूली ने स्थगन प्रस्ताव के माध्यम से यह मामला उठाया। जूली ने सदन में कहा कि कोर्ट ने यहां तक कह दिया कि अवैध बजरी खनन बंद नहीं हो रही, तो सीआरपीएफ लगा दो। 2 साल में 322 मुकदमे दर्ज हुए हैं। सरकार कुंभकरण की नींद सो रही है, इसको जगाने का प्रयास करें। इसके बाद कांग्रेस के विधायकों ने हंगामा करते हुए बहिर्गमन किया।

इससे पहले जूली ने कहा कि इसी सरकार के मंत्री अवैध खनन की छूट दे रहे हैं। हालत यह है कि सत्ता पक्ष के विधायक मुद्दा उठा रहे हैं। विपक्ष के बहिर्गमन करने पर संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने कहा कि बिना कोई आधार के कांग्रेस सदस्य सदस्य वॉक आउट करके गए हैं।

नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने शून्यकाल के दौरान स्थगन प्रस्ताव के जरिए यह मुद्दा उठाया और राज्य सरकार पर निशाना साधा। टीकाराम जूली ने कहा, प्रदेश में जिस प्रकार से बजरी का अवैध खनन हो रहा है और आए दिन जो घटनाएं घट रही हैं ...लेकिन 'डबल इंजन' की सरकार गहरी सांस लेकर कुंभकर्णी नींद में सो रही है।

उन्होंने कहा, उच्च न्यायालय को यह टिप्पणी करनी पड़ी है कि आप लोग केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) का सहयोग नहीं कर रहे हो और अगर आप लोगों से अवैध खनन का मामला नहीं संभल सकता तो केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) लगा दो। कांग्रेस नेता ने कहा कि राज्य की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार के कैबिनेट मंत्री अपनी सरकार पर ही रोजाना बजरी चोरी होने का आरोप लगा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सत्ता पक्ष के 20 से अधिक विधायक इस सदन के अंदर आवाज उठा चुके हैं कि राज्य में अवैध खनन हो रहा है।

जूली ने राज्य सरकार से जवाब दिलवाने की मांग की। इस बीच, सत्ता पक्ष और विपक्ष के विधायक आमने सामने आ गए। काफी देर नारेबाजी व हंगामा होता रहा और कांग्रेस के विधायकों ने कुछ देर के लिए बहिर्गमन किया। संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने कहा कि कांग्रेस के पास कोई मुद्दा नहीं है और वह अंतर्कलह से जूझ रही है। पटेल ने कहा कि कांग्रेस के विधायकों ने बिना किसी आधार के सदन से बहिर्गमन किया है।

वनरक्षक 4.61 लाख रुपय की रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के उदयपुर में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की टीम ने मंगलवार को एक क्षेत्रीय वन अधिकारी और वनरक्षक को 4.61 लाख रुपये की कथित तौर पर रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी के अनुसार, क्षेत्रीय वन अधिकारी रेंज उदयपुर (पश्चिम) कार्यालय में क्षेत्रीय वन अधिकारी धीरेन्द्र सिंह और वनरक्षक अब्दुल रउफ को रिश्वतखोरी के मामले में गिरफ्तार किया गया। ब्यूरो के महानिदेशक रवि प्रकाश मेहरड़ा ने बताया की शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि उसकी कंपनी को उदयपुर वन क्षेत्र में कई काम मिले और उसने 34,43,000 रुपये के बिल विभाग को दिए। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि आरोपी क्षेत्रीय वन अधिकारी धीरेंद्र सिंह ने बिल को पास कराने की एवज में उससे 10.60 प्रतिशत राशि रिश्वत के रूप में वन अधिकारी (डीएफओ) मुकेश सेनी और अधिकारी (सीसीएफ) सेडूराम यादव के लिये तथा 12.40 प्रतिशत अपने, रेन्जर व अधीनस्थ स्टाफ के लिये कमीशन के रूप में मांगी। अधिकारी ने बताया कि ब्यूरो की टीम ने मंगलवार को आरोपी धीरेंद्र सिंह और वनरक्षक अब्दुल रउफ को 4.61 लाख रुपये की रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने बताया कि दोनों आरोपियों से पूछताछ और कार्रवाई की जा रही है।

राजस्थान विधानसभा में विपक्षी कांग्रेस सदस्यों ने किया सदन से बहिर्गमन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान विधानसभा में अवैध बजरी खनन के मुद्दे पर सरकार की तरफ से जवाब नहीं देने को लेकर विपक्ष कांग्रेस के सदस्यों ने बुधवार को सदन से बहिर्गमन किया। शून्यकाल में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने स्थगन प्रस्ताव के तहत अवैध बजरी खनन का मुद्दा उठाते हुए इस पर सरकार से जवाब देने की मांग की लेकिन इस पर कोई जवाब नहीं आने पर एक बार सदन में शोर शराब एवं हंगामा हुआ और बाद में कांग्रेस के सदस्य सदन से बहिर्गमन कर गए।

इससे पहले जूली ने सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि प्रदेश में अवैध बजरी खनन की घटनाएं घट रही है लेकिन डबल इंजन की गहरी नींद में सो रही है। सरकार के रवैये पर उच्च न्यायालय को भी टिप्पणी करनी पड़ी कि सीबीआई का सहयोग नहीं किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि अगर अवैध खनन नहीं संभल रहा है तो सीआरपीएफ बुलाओ, दूसरे राज्यों से मदद लो। इस पर सत्ता पक्ष के कुछ सदस्य खड़े हो गए और दोनों तरफ से बोलने पर सदन में शोरशराबा और हंगामा हुआ। इस दौरान जूली ने आरोप लगाया कि इसी सरकार के मंत्री ने भी अवैध खनन को लेकर अपनी ही सरकार पर सवाल उठाए हैं और कई विधायकों ने इस मुद्दे को सदन में उठा चुके हैं लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई।

जूली ने हंगामें के बीच सरकार से जवाब देने की मांग की लेकिन जवाब नहीं मिलने पर कांग्रेस के सदस्य सदन से बहिर्गमन कर गए। बहिर्गमन के बाद संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने पलटवार करते हुए कहा कि जिस पार्टी के शासन में खनन माफिया हावी थे, पुलिस रोज पिटती थी वे हम पर आरोप लगा रहे हैं।

कांग्रेस को पहले अपने घर में झांकना चाहिए। उनके पास कोई ठोस मुद्दा नहीं बचा, इसलिए वे बिना कारण हंगामा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि विधानसभा की कार्यवाही में कांग्रेस हमेशा विरोध ही करती है। बिना किसी आधार के सदन की कार्रवाई बाधित करना उनकी आदत बन गई है। उन्होंने इसकी निंदा की।

अजमेर शहर के व्यापार महासंघ के सदस्यों ने देखी राजस्थान विधानसभा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी का बुधवार को विधान सभा में अजमेर शहर व्यापार महासंघ के कार्यकारिणी सदस्यों ने साफा व शॉल ओढाकर सम्मान पत्र भेंट कर स्वागत किया। संघ के सदस्यों ने राजस्थान विधान सभा की कार्यवाही को देखा।

इस मौके पर व्यापार महासंघ के अध्यक्ष किशन गुप्ता, प्रवीण जैन, सुरेश चारभुजा, भगवान चांदीराम, कमल गंगवाल, गिरीश लालवानी, राकेश डीडवानिया, एडवोकेट ईशान मिश्रा, जरनैल सिंह जी, उ- यश डाणी, विवेक जैन, विजय जैन पांड्या, संजय कुमार जैन, अमित डाणी, सर्वजीत छाबड़ा और मुकेश डिडवानिया मौजूद थे।

अधिकारियों को नहीं मिलेगा एक से अधिक खरीद केन्द्र का चार्ज : दक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। सहकारिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार दक ने कहा कि राज्य सरकार की भावना है कि किसानों को उनकी उपज का पूरा दाम मिले। उन्होंने कहा कि अप्रेल माह से शुरु की जा रही सरसों-चना खरीद की सभी तैयारियां इस प्रकार की जाएं कि किसानों को असुविधा का सामना नहीं करना पड़े और उन्हें अच्छा महसूस हो।

सहकारिता मंत्री बुधवार को नेहरू सहकार भवन में वीसी के माध्यम से सरसों-चना खरीद की पूर्व तैयारियों की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हैण्डलिंग और ट्रांसपोर्ट के टेंडर के प्रावधानों में शिथिलता इसलिए दी गई है ताकि प्रक्रिया में अच्छे लोग शामिल हों और किसानों को अपनी उपज बेचान के लिए परेशानी का सामना नहीं करना पड़े।

दक ने कहा कि यदि लगातार किसी ठेकेदार की शिकायत मिलती है तो उसे डिबार करने की कार्यवाही की जाए। उन्होंने अधिकारियों को टेंडर फेल होने की स्थिति में दूसरा विकल्प तैयार रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रभारी अधिकारी पूरे समय खरीद केन्द्र पर मौजूद रहे और उसकी पूरी जिम्मेदारी निर्धारित हो, इसके लिए एक अधिकारी को एक से अधिक खरीद केन्द्र का चार्ज नहीं दिया जाएगा।

दक ने निर्देश दिए कि उप रजिस्ट्रार खरीद केन्द्रों का जायजा लेकर वहां टेंट, छाया, पानी आदि की समुचित व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें। साथ ही, ठेकेदार के साथ बैठक कर यह सुनिश्चित कर लिया जाए कि उसके पास खरीद के लिए पर्याप्त संसाधन हैं। उन्होंने कहा कि खरीद केन्द्रों पर दलालों द्वारा माल तोलने की समस्या नहीं होनी चाहिए। सहकारिता मंत्री ने कहा कि चूंकि बाजार भाव की तुलना में समर्थन मूल्य की दरें आकर्षक हैं लिहाजा खरीद केन्द्रों पर बड़ी मात्रा में सरसों-चना बिक्री के लिए आएंगे। ऐसी स्थिति में रजिस्ट्रेशन की संख्या के अनुरूप अतिरिक्त खरीद केन्द्र खोले जाएं। उन्होंने कहा कि खरीद का लक्ष्य पूरा हो, इसके पूरे मनोयोग से प्रयास किए जाएं।

सहकारिता मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि खरीद केन्द्रों वाली क्रय-विक्रय एवं ग्राम सेवा सहकारी समितियों के पदाधिकारियों के साथ 25 मार्च से पूर्व बैठक कर सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित कर लें। बारदाने की पर्याप्त व्यवस्था की जाए। खरीद केन्द्रों पर गुणवत्ता मापदण्डों का बैनर लगाया जाए। साथ ही, इस संबंध में व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए कि खरीद केन्द्रों पर किसानों को उपज बेचान में किसी प्रकार की असुविधा नहीं होगी।

सीमा पर बंकरों के निर्माण को लेकर बीएसएफ एवं रेंजर्स में विवाद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जैसलमेर। राजस्थान में पश्चिमी सीमा पर बाड़मेर क्षेत्र में भारत पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा पर मुनाबाव एवं गड़रा क्षेत्र के सामने पाकिस्तान द्वारा अंतरराष्ट्रीय सीमा पर बनाये गये भूमिगत बंकर को सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की कड़ी आपत्ति के बाद पाकिस्तान रेंजर ने ध्वस्त करना शुरु कर दिया है। आधिकारिक सूत्रों ने बुधवार को बताया कि पिछले दिनों पाकिस्तान रेंजर्स द्वारा सीमा क्षेत्र में बनाये गये तीन बंकरों में एक भूमिगत बंकर अंतरराष्ट्रीय सीमा से 150 गज होने पर बीएसएफ के अधिकारियों ने पिछले दिनों पाकिस्तानी रेंजर्स के साथ कमांडेंट स्तर की बैठक में कड़ी आपत्ति दर्ज करवाई। इस पर सोमवार को रेंजर्स ने ध्वस्त करना शुरु कर दिया है। अब तक आधा काम हो चुका है।

सूत्रों ने बताया कि हालांकि भारत दो अन्य निर्मित बंकरों का भी विरोध कर रहा है, लेकिन ये बंकर आपत्तिजनक क्षेत्र 150 गज से दूर हैं, लिहाजा पाकिस्तान ने इन बंकरों को लेकर नकारात्मक रवैया अपनाये हुए है। इसके जवाब में भारत ने भी सीमा के पास तीन नये बंकर बनाये हैं। बीएसएफ के अधिकारियों ने साफ कर दिया है कि जब तक पाकिस्तान अपने बंकरों को ध्वस्त नहीं कर देता, तब तक भारत के भी बंकर बने रहेंगे। इस घटनाक्रम के चलते इस क्षेत्र में रेंजर्स और बीएसएफ के बीच तनातनी की स्थिति है। सूत्रों के अनुसार राजस्थान के चार जिले (श्रीगंगानगर, बीकानेर, जैसलमेर और बाड़मेर) पाकिस्तानी सीमा से सटे हैं। सीमा पर रह-रहकर पाकिस्तान की ओर से ड्रोन के जरिए नशीले पदार्थ भारतीय सीमा में गिराने जैसी हरकतें चलती रहती हैं। बीएसएफ के उप महानिरीक्षक राजकुमार बसाटा ने बताया कि डेढ़ महीने पहले बाड़मेर से सटी अंतरराष्ट्रीय सीमा के गड़रा क्षेत्र के जीरो लाइन से 150 गज के अंदर पाकिस्तान ने दो बंकरों का निर्माण कराया था। जिसका बीएसएफ ने कड़ा विरोध किया था। उन्होंने बताया कि सीमा से 150 गज के अंदर का खेत्र 'मानव रहित क्षेत्र' होता है। इस क्षेत्र में किसी भी तरह के निर्माण की इजाजत नहीं होती। इसके बावजूद पाकिस्तान ने बंकर का निर्माण करा लिया है।

उन्होंने बताया कि तमाम विरोध के बावजूद पाकिस्तान ने सीमा से सटे प्रतिबंधित क्षेत्र में एक और बंकर का निर्माण कराना शुरु कर दिया था। इसको लेकर फिर से आपत्ति की गई। भारत ने पाकिस्तान को चेतावनी भी दी थी। फिर भी नहीं माना। इसके बदले में भारत ने भी कठोर कदम उठाते हुए अपने क्षेत्र में तीन बंकरों का निर्माण करा लिया। बसाटा ने बताया कि इसके बाद पाकिस्तान रेंजर्स ने अपने कदम कुछ पीछे खींच लिये हैं और अपना एक बंकर ढहाने का कार्य सोमवार से शुरु कर दिया। हालांकि उसका एक बंकर अब भी मौजूद है जो 150 गज के बाहर है। फिलहाल अंतरराष्ट्रीय सीमा पर लगातार कड़ी नजर रखी जा रही है। सीमा क्षेत्र में पाकिस्तानी रेंजर्स की बढ़ती गतिविधियों के बाद तारबंदी के आसपास सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाई गई है। उधर पाकिस्तानी रेंजर्स ने एक बंकर हटाने के बाद भारत से तीनों बंकरों को हटाने की शर्त रखी है। भारत अब इस पर अड़ गया है कि पाकिस्तान जब तक जीरो लाइन के पास बना दूसरा बंकर नहीं हटाएगा, तब तक भारत अपना एक भी बंकर नहीं हटाने वाला है।

सरकार ने सात अधिकारियों के खिलाफ मुकदमे को मंजूरी दी

जयपुर। राजस्थान सरकार ने भ्रष्टाचार निवारण संशोधन अधिनियम के तहत दर्ज पांच मामलों में सात अधिकारियों के खिलाफ मुकदमा चलाने को मंजूरी दे दी। एक बयान में मंगलवार को यह जानकारी दी। आधिकारिक बयान के अनुसार, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राज्य सेवा के अधिकारियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई और मुकदमे को मंजूरी के विचाराधीन 13 मामलों का निपटारा किया। बयान में बताया गया कि मुख्यमंत्री शर्मा ने एक मामले में सेवानिवृत्त अधिकारी की पेंशन रोकने और तीन मामलों में सेवारत अधिकारियों के खिलाफ वार्षिक वेतन वृद्धि रोकने का निर्णय किया। उन्होंने साथ ही भ्रष्टाचार निवारण संशोधन अधिनियम 2018 के तहत दर्ज पांच मामलों में सात अधिकारियों के खिलाफ मुकदमा चलाने की मंजूरी भी प्रदान की। हालांकि बयान में अधिकारियों के नाम और अन्य ब्यौरा नहीं दिया गया।

किसानों को विभागीय योजनाओं से भी किया जा रहा है लाभान्वित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के मार्गदर्शन में किसानों को सशक्त बनाने के लिए उन्हें डिजिटल रूप में सक्षम बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया जा रहा है। एग्रीस्टेक योजना में किसान रजिस्ट्री शिविरों का आयोजन 31 मार्च तक किया जा रहा है। इस योजना में राज्य के सभी जिलों में शिविर आयोजित कर किसानों की फार्मर रजिस्ट्री आईडी बनायी जा रही है।

राजस्व विभाग के प्रमुख शासन सचिव दिनेश कुमार की अध्यक्षता में बुधवार को पंत कृषि भवन में वीसी के माध्यम से सभी जिला कलेक्टरों के साथ कृषि रजिस्ट्री शिविरों की प्रगति की समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। उन्होंने कहा कि एग्रीस्टेक योजनान्तर्गत फॉर्मर रजिस्ट्री शिविरों का आयोजन ग्राम स्तर पर 31 मार्च तक किया जा रहा है, जिसमें प्रत्येक कृषक का रजिस्ट्रेशन करवाया जाना सुनिश्चित किया जाये। एग्रीस्टेक शिविरों के तहत ग्राम पंचायत स्तर पर शिविर आयोजित करवाकर किसानों की विशिष्ट आईडी बनायी जा रही है। पूरे प्रदेश में अब तक 9 हजार 805 शिविरों का आयोजन कर 51 लाख 10 हजार 310 कृषकों का रजिस्ट्रेशन किया जा चुका है।

उन्होंने बताया कि शिविर में किसान आईडी तैयार करने के साथ-साथ प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना, मुख्यमंत्री आरोग्य आयुष्मान योजना, किसान क्रेडिट कार्ड, मंगल पशु बीमा योजना, पशु टीकाकरण, पशु चिकित्सा, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, कृषि एवं उद्यानिकी विभाग सहित अन्य विभागों की योजनाओं से भी किसानों को लाभान्वित किया जा रहा है।

कहां खो रही हैं, हमारे घरों की शान, नन्हीं चिड़िया 'गौरैया'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। चीं-चीं कर आती और घर-आंगन में फुदकती नन्हीं सी चिड़िया गौरैया जो कभी घरों की शान हुआ करती थी, अब धीरे-धीरे कहीं खोती जा रही हैं। कच्चे घरों की खपरैल के बीच, दीवार की दरारों, तस्वीरों के पीछे, गर्डर के कोनों, टीन-टप्परों एवं छज्जों के नीचे और छतों पर पानी के नालदों में तिनकों से बनाये हुए इनके घोंसले देखे जाते थे। इनकी चहचहाहट से वीरान घर भी आबाद और जीवंत होते रहते थे। इसी नन्हीं चिड़िया को दाना-पानी देकर देखभाल करते घर के छोटे बच्चों से लेकर बूढ़े हाथ कभी भी थकते नहीं थे। प्राचीन काल से ही हमारी संस्कृति, स्वतंत्रता, उल्लास और परम्परा की संवाहक रही गौरैया अब संकट में है। विकास की दौड़ में गांव-शहरों में उग आए सीमेंट के जंगलों और पेड़ों के स्थान पर अब बिजली एवं मोबाइल फोन के टावरों ने इस गौरैया को घरों से लुप्त सा कर दिया है। एक रिपोर्ट के अनुसार इनकी संख्या में करीब 80 प्रतिशत तक की कमी आई है।

पक्षी विशेषज्ञ एवं राजस्थान में जयपुर पुलिस मुख्यालय में अतिरिक्त निदेशक (प्रचार) डॉ कमलेश शर्मा ने बुधवार को बताया कि सामान्य बोलचाल में जिसे चिड़िया कहा जाता है, वह हमारी गौरैया ही है। गौरैया एक छोटे आकार की चिड़िया है। इसके पंख काले या घूसर रंग के होते हैं। गौरैया की लम्बाई 14-18 सेमी के मध्य होती है। इसका सिर गोल, पूंछ छोटी एवं चोंच नुकीली पिरामिड आकार होती है। गौरैया अपना घोंसला पेड़ों, चट्टानों, घरों या इमारतों के छिद्रों में बनाना पसंद करती है। इसके प्रजनन का समय अप्रैल से अगस्त तक है, हालांकि कई जगह पूरे वर्ष इसके घोंसले देखे गये हैं। यह एक बार में चार-पांच अंडे देती है। अंडे का रंग सफेद, हल्का नीला, सफेद या हल्का रंग-सफेद होता है। ऊष्मायन अवधि 11-14 दिन है। इसके चूजे 14-16 दिनों में उड़ने लगते हैं। उन्होंने बताया कि गौरैया किसानों की मित्र मानी जाती है।

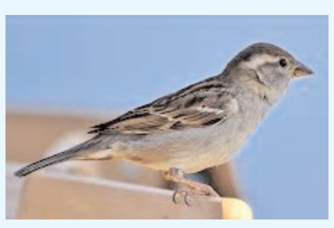

गौरैया कीटभक्षी है और यह हज़ारों वर्षों से खेतों और हमारे घर-आंगन में कीट-पतंगों, मक्खी, मच्छर, मकड़ियां, इल्लियां आदि खाकर पर्यावरण को संतुलित करती हैं। वह अपने चूजों को भी वे इल्लियां खिलाती है, जो फसल को नुकसान पहुंचाती हैं। इस मायने में गौरैया स्वस्थ पर्यावरण की जैव-सूचक है। डॉ शर्मा बताते हैं कि अत्यधिक शहरीकरण एवं पक्के आवास के चलते गौरैया को अपना घोंसला बनाने के लिए अनुकूल स्थाल मुहैया नहीं हो पा रहा है। अब इनके लिए न तो खपरैल है और न ही टीन टप्पर। पक्के मकान भी बन चुके हैं, जिससे इनके दरवाजे गौरैया के लिए बंद हो चुके हैं। खिड़कियों और रोशनदानों पर जाली लगाए जाने के कारण इनकी पहुंच घरों के भीतर नहीं हो पा रही है जिससे ये घोंसले नहीं बना पा रही हैं। उन्होंने बताया कि दूसरी तरफ इनकी आश्रय स्थली पेड़ों एवं झाड़ियों की बेतहाशा कटाई के कारण प्रजनन के लिए उपयुक्त स्थान नहीं मिल पा रहा है। इनका अस्तित्व अब खतरे में दिखाई दे रहा है। इसके अलावा फसलों में कीटनाशकों के अंधाधुंध प्रयोग से इनके मुख्य भोजन कीट-पतंगों की कमी के कारण भी ये लुप्त हो रही हैं।

विभिन्न शोधों में यह भी बताया जाता है कि मोबाइल फोन टावरों के रेडिएशन के कारण भी इनकी प्रजनन क्षमता में कमी आ रही है, और इससे लगातार इनकी संख्या कम हो रही है। डॉ शर्मा ने बताया कि इसके लेकर आमजन में अब जागरूकता बढ़ रही है और इसके संरक्षण के लिये खुद लोगों ने प्रयास शुरु कर दिये हैं।

अब पशुपक्षियों के प्रति संवेदनशील लोगों के कारण नन्हीं गौरैया के लिए घरों में लकड़ी और गत्ते के कृत्रिम घोंसले लगाने का प्रचलन बढ़ रहा है। इन घोंसलों में अब ये अपनी वंशवृद्धि भी कर रही हैं। प्राकृतिक रूप से गौरैया भारत के साथ यूरोप, अफ्रीका, एशिया, म्यांमार एवं इंडोनेशिया में आसानी से देखी जा सकती हैं। गौरैया का गौरव समूचे विश्व में है। यही वजह है कि अब तक भारत सहित 20 से अधिक देशों में गौरैया पर डाक टिकट जारी किए गए हैं। गौरैया पर यूगोस्लाविया में 1982 में पहली बार डाक टिकट जारी किया गया।

भारतीय डाक विभाग ने नौ जुलाई 2010 को गौरैया पर पाँच रुपये मूल्य वर्ग का डाक टिकट जारी किया। इस डाक टिकट में एक नर एवं मादा गोरैया को दर्शाया गया है। डॉ शर्मा ने बताया कि इस चिड़िया को हमारे देश में ही अलग-अलग बोलियों, भाषाओं, क्षेत्रों में विभिन्न नामों से जाना जाता है। इन्हें उर्दू में चिरया, सिंधी में झिरकी, पंजाब में चिरी, जम्मू और कश्मीर में चेर, पश्चिम बंगाल में चराई पाखी, ओडिशा में घरा छतिया, गुजरात में चकली, महाराष्ट्र में चिमनी, तेलगु में पिछुका, कन्नड़ में गुबाची, तमिलनाडु और केरल में कुरुवी के नाम से जाना जाता है।

झुंझुनूं की ट्रेनी एसआई की परीक्षा में धांधली : मोनिका को खुद नहीं पता था कितने नंबर से पास हुई

जयपुर। स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप ने राजस्थान पुलिस की ट्रेनी ड्ख मोनिका (25) को मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया। मोनिका पर ड्ख भर्ती परीक्षा का पेपर 15 लाख रुपये में खरीदने का आरोप है। जांच में सामने आया कि उसे परीक्षा में 354 नंबर मिले थे, जबकि उसने ट्रेनिंग के दौरान अपने नंबर 301 बताए थे। मोनिका ने नकल गिरोह के सरगना पौरव कालेर से पेपर खरीदा था। कालेर की गिरफ्तारी के बाद मोनिका राजस्थान पुलिस अकादमी (ठ्झ-) जयपुर से फरार हो गई थी। हालांकि, अब उसकी गिरफ्तारी के बाद कई और खुलासे हो रहे हैं।

मोनिका ने परीक्षा में 34वीं मेरिट हासिल की थी, लेकिन इंटरव्यू में उसे सिर्फ 15 नंबर मिले। ट्रेनिंग के दौरान उसने एक वीडियो बनाया, जिसमें उसने गलत नंबर बताए और कहा कि अब वह दो स्टार लगाकर ही लौटेगी। ट्रेनिंग के दौरान अधिकारियों को उसके ज्ञान पर शक हुआ।

लोकसभा में भाजपा सांसदों ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की तुलना राजा भगीरथ से की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दो सांसदों ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की तुलना राजा भगीरथ से करते हुए बुधवार को लोकसभा में कहा कि धरती पर गंगा के अवतरण की तरह ही प्रधानमंत्री देश के हर घर में नल से जल पहुंचा रहे हैं।

भाजपा सांसद जगदंबिका पाल और राजकुमार चाहर ने लोकसभा में 2025-26 के लिए जलशक्ति मंत्रालय के नियंत्रणाधीन अनुदान की मांगों पर चर्चा में भाग लेते हुए प्रधानमंत्री मोदी को 'आधुनिक भगीरथ' की संज्ञा दी। जगदंबिका पाल ने कहा कि जिस तरह राजा भगीरथ गंगा नदी को धरती पर लाए थे, उसी तरह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हर घर में नल से जल पहुंचाने का काम किया है और आने वाले समय में पूरा देश तथा दुनिया उन्हें 'आधुनिक भगीरथ' के रूप में देखेगी। वहीं, चाहर ने कहा कि उन्होंने भगीरथ को नहीं देखा, लेकिन आज उनके क्षेत्र के लोग कहते हैं कि वर्तमान समय के भगीरथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हैं।

पाल ने कहा कि गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में नरेन्द्र मोदी ने राज्य में जल संकट को दूर करने के लिए जो प्रयास किए थे, उसी तरह के संकल्प के साथ उन्होंने जलशक्ति मंत्रालय बनाया और ''आने वाले समय में देश के किसी भी राज्य में पानी की कमी नहीं

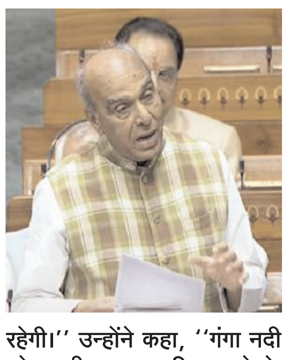

रहेगी।'' उन्होंने कहा, ''गंगा नदी को धरती पर अवतरित करने के लिए राजा भगीरथ ने अथक तपस्या की थी। आने वाले दिनों में पूरा देश नहीं दुनिया मानेगी कि भारत के हर घर में नल से जल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पहुंचाया। आज निश्चित रूप से (मोदी को) पूरा देश और दुनिया आधुनिक भगीरथ के रूप में देखेगी।'' उन्होंने कहा कि मोदी सरकार 'हर घर को जल, हर खेत को पानी' के सपने को वास्तविकता के धरातल पर उतारेगी। भाजपा सांसद ने कहा कि दुनिया की 18 प्रतिशत आबादी वाले भारत को विश्व का केवल चार प्रतिशत स्वच्छ जल उपलब्ध है, ऐसे में पानी की व्यवस्था करने के लिए यह सरकार लगातार प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि गुजरात के मुख्यमंत्री रहते हुए मोदी ने सौराष्ट्र नर्मदा अवतरण योजना, सुजलां सुफलां योजना और सरदार सरोवर योजना जैसी परियोजनाओं से गुजरात के विभिन्न जिलों को सूखा मुक्त कराया। पाल ने कहा, ''मोदी ने मुख्यमंत्री के रूप में गुजरात में जलक्रांति लाने का काम किया है। प्रधानमंत्री बनने के बाद भी वह उसी संकल्प के साथ काम कर रहे हैं।'' उन्होंने कहा कि जल शक्ति मंत्रालय का बजट 2024-25 के लिए 51,800 करोड़ रुपए है जिसे आगामी वित्त वर्ष के लिए 93 प्रतिशत वृद्धि के साथ 99,503 करोड़ किया गया है जो एक अभूतपूर्व उपलब्धि है।

उन्होंने कहा कि हर घर में नल से जल की परिकल्पना को साकार करने के लिए जल जीवन मिशन का बजट पिछली बार से 195 प्रतिशत वृद्धि के साथ 67 हजार करोड़ रुपए किया गया है। पाल ने कहा कि इसी तरह कृषि सिंचाई योजना के लिए बजट में 25 प्रतिशत, नमामि गंगे परियोजना के तहत 20 प्रतिशत और अटल भूजल योजना के तहत बजट में 197 प्रतिशत बढ़ोतरी हुई है।

क्या बिरसा मुंडा की धरती को औरंगजेब की धरती बनाना चाहते हैं मुख्यमंत्री सोरेन : भाजपा

नई दिल्ली/भाषा। बांग्लादेशियों की कथित अवैध घुसपैठ से झारखंड की जनसांख्यिकी बदलने के मुद्दे पर झामुमो सरकार पर निशाना साधते हुए भाजपा ने बुधवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से पूछा कि क्या वह महान आदिवासी नेता बिरसा मुंडा की धरती को ''औरंगजेब की धरती'' बनाना चाहते हैं।

सीएजी की रिपोर्ट का हवाला देते हुए भाजपा ने झामुमो-कांग्रेस गठबंधन सरकार के पिछले कार्यकाल के दौरान झारखंड में स्वास्थ्य क्षेत्र में घोटाले का आरोप लगाया और इसकी सीबीआई जांच की मांग की। यहां संवाददाता सम्मेलन में राष्ट्रीय प्रवक्ता तुहिन सिन्हा ने आरोप लगाया कि झारखंड सरकार ने बांग्लादेश से आए अवैध प्रवासियों को दुमका, पाकुड़ और साहिबगंज जिलों में बसने की खुली छूट दे दी है। सिन्हा ने आरोप लगाया, ''इन इलाकों में आतंकवादी गतिविधियां फल-फूल रही हैं...हमारा मानना है कि कई आतंकी मॉड्यूल बनाए जा रहे हैं, लेकिन राज्य सरकार ऐसे मामलों की अनदेखी करती है।''

सरकार की योजना असम में अमेरिका की तरह राष्ट्रीय राजमार्ग बनाने की : गडकरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने बुधवार को कहा कि सरकार अमेरिका की तरह राष्ट्रीय राजमार्गों के निर्माण के लिए असम में तीन लाख करोड़ रुपए का निवेश करने की योजना बना रही है।

राज्यसभा में प्रश्नकाल के दौरान पूरक सवालों का जवाब देते हुए सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने यह भी कहा कि उनके मंत्रालय के पास सड़क परियोजनाओं के लिए धन की कोई कमी नहीं है।

असम में विभिन्न राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच) परियोजनाओं की प्रगति के बारे में सदन को जानकारी देते हुए गडकरी ने कहा कि गुवाहाटी की रिंग रोड परियोजना 5,800 करोड़ रुपए की लागत से दिसंबर 2027 तक पूरी हो जाएगी। उन्होंने कहा, ''मुझे विश्वास है कि ये सारी सड़कें बनाने के बाद हम असम के राष्ट्रीय राजमार्ग को अमेरिका जैसा बना देंगे...।''

गडकरी ने कहा कि सरकार असम में तीन लाख करोड़ रुपए का निवेश करने की योजना बना रही है। उन्होंने कहा कि राज्य में परिवहन नेटवर्क को बेहतर बनाने के लिए सड़कें, पुल और सुरंगों का निर्माण

किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि रिंग रोड के अलावा सरकार ब्रह्मपुत्र नदी के नीचे, डिब्रूगढ़ में 12,000 करोड़ रुपए की लागत से एक सुरंग बना रही है, जिसे मंजूरी देने की प्रक्रिया पहले से ही चल रही है।

गडकरी ने कहा, ''इससे असम में राजमार्ग नेटवर्क का परिदृश्य पूरी तरह बदल जाएगा और असम में अधिक निवेश, अधिक नौकरियां, अधिक संपदा सृजन और प्रगति तथा विकास होगा। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में हमने विशेष रूप से, पूर्वोत्तर क्षेत्र में बुनियादी ढांचे के विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है और हम इसे बहुत गंभीरता से ले रहे हैं।'' काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान के ऊपर 'एलिवेटेड' राजमार्ग के बारे में उन्होंने कहा, ''हमारे पास कोष की कोई समस्या नहीं है। हम राष्ट्रीय राजमार्गों का प्रबंधन इस तरह से करते हैं कि हमें पूंजी बाजार में सर्वोच्च प्रतिष्ठा मिली है। कैबिनेट की मंजूरी मिलने के बाद जल्द ही परियोजना शुरू हो जाएगी।''

सुनीता विलियम्स, उनके सहयोगी सदस्यों ने अंतरिक्ष में मानवीय जीवटता का फिर से लिखा इतिहास : राजनाथ

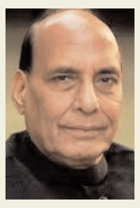

नई दिल्ली/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को नासा की अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और क्रू-9 के उनके सहयोगी सदस्यों की वापसी पर प्रसन्नता व्यक्त की तथा कहा कि उन्होंने अंतरिक्ष में मानवीय जीवटता और दृढ़ता का इतिहास फिर से लिख दिया है। विलियम्स और नासा के उनके सहयोगी अंतरिक्ष यात्री बुच विल्मोर और निक हेग तथा रूसी अंतरिक्ष एजेंसी 'रोस्कोस्मोस' के अंतरिक्ष यात्री अलेक्जेंडर गोरबुनोव, स्पेसएक्स के ड्रैगन अंतरिक्ष यान से पृथ्वी पर वापस लौटे, जो अमेरिका में फ्लोरिडा के तल्हासी तट के पास समुद्र में उतरा।

सिंह ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में लिखा, ''नासा के क्रू9 के सदस्यों की धरती पर सुरक्षित वापसी से बहुत प्रसन्न हूं। भारत की बेटी सुनीता विलियम्स और अन्य अंतरिक्ष यात्रियों ने अंतरिक्ष में मानवीय जीवटता एवं दृढ़ता के इतिहास को फिर से लिखा है। सुनीता विलियम्स की अविश्वसनीय यात्रा, अटूट समर्पण, धैर्य की भावना दुनिया भर में लाखों लोगों को प्रेरित करेगी।''

श्रीकृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह विवाद मामला : अदालत ने दाखिल अर्जी पर आपत्तियां आमंत्रित की

प्रयागराज/भाषा। उत्तर प्रदेश के मथुरा जिले में स्थित श्रीकृष्ण जन्मभूमि और शाही ईदगाह विवाद मामले में इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने दाखिल अर्जी पर आपत्तियां आमंत्रित करते हुए मामले की सुनवाई की तारीख तीन अप्रैल तय की। अर्जी हिंदू पक्ष की ओर से दाखिल की गई है जिसमें सभी की ओर से प्रतिनिधि की क्षमता में मुकदमा लड़ने की अनुमति मांगी गई है क्योंकि इस मामले में हिंदू पक्ष की ओर से 18 वाद दाखिल हैं और हर वाद में कई वादी हैं।

इस मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति राम मनोहर नारायण मिश्रा की पीठ कर रही है। अदालत ने हिंदू पक्ष की ओर से दायर एक अन्य आवेदन पर मुस्लिम पक्ष को आपत्ति दाखिल करने का समय दिया। इस आवेदन में प्रार्थना की गई है कि शाही ईदगाह मस्जिद के स्थान को विवादित ढांचा माना जाए। इससे पूर्व, पांच मार्च, 2025 को अदालत ने हिंदू पक्ष (भगवान श्रीकृष्ण विराजमान, कटरा केशव देव) की तरफ से दाखिल संशोधन के आवेदन को स्वीकार कर लिया था। इस आवेदन में कहा गया था कि वादियों को पता चला है कि विवादित संपत्ति को संरक्षित स्मारक घोषित करते हुए 27 दिसंबर, 1920 को आधिकारिक गजट में एक अधिसूचना जारी की गई थी।

निजी अस्पतालों के नियमन के लिए बनाया जाए प्राधिकार : कुशवाहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राज्यसभा में बुधवार को भाजपा सहित सत्ता पक्ष के कई सदस्यों ने देश में पिछले दस वर्ष के दौरान मेडिकल शिक्षा में सीटों की संख्या बढ़ाये जाने के लिए सरकार की सराहना की, वही आरएलएम के एक सदस्य ने सुझाव दिया कि निजी अस्पतालों के नियमन के लिए एक प्राधिकार बनाया जाना चाहिए।

उच्च सदन में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के कामकाज पर चर्चा में भाग लेते हुए राष्ट्रीय लोक मोर्चा (आरएलएम) के नेता उपेन्द्र कुशवाहा ने कहा कि गरीबों को बड़े स्तर पर लाभ देने वाली आयुष्मान योजना के लिए सरकार को जितना धन्यवाद दिया जाए, कम होगा। उन्होंने कहा कि बिहार में बड़े रोग से ग्रसित लोगों के उपचार में कभी कभी जरूरत और उपलब्ध सुविधाओं में अंतर देखने को मिलता है, जिससे रोगी को दिल्ली जैसे बड़े शहरों में जाने के लिए विवश होना पड़ता है। उन्होंने कहा कि पटना में अभी जो एम्स चल रहा है, उसमें सभी विभाग नहीं हैं। कुशवाहा ने कहा कि पटना के एम्स में सभी विभाग जल्द शुरू किए जाएं और उनकी सेवाएं मानकों के अनुरूप हों। उन्होंने बिहार में सासाराम या उसके आसपास एक अन्य एम्स खोलने का भी सुझाव दिया। उन्होंने स्वास्थ्य मंत्री को सुझाव दिया कि निजी अस्पतालों के नियमन के लिए कोई प्राधिकार बनाया जाना चाहिए ताकि इन अस्पतालों में लोगों को सही ढंग से उपचार मिल सके। उन्होंने कहा कि कई बार निजी अस्पताल में उपचार करने वाले रोगियों की शिकायतों पर कोई सुनवाई नहीं होती है। चर्चा में भाग लेते हुए भारतीय जनता पार्टी के भुवनेश्वर कालिता ने कहा कि पिछले दस साल में मेडिकल शिक्षा पर बहुत अधिक ध्यान दिया गया है। उन्होंने कहा कि यदि पूर्ववर्ती संप्रग शासनकाल और वर्तमान के राजग शासनकाल की तुलना की जाए तो 2014 में देश में 387 मेडिकल कॉलेज थे, जो अब बढ़कर 780 हो गये हैं। उन्होंने कहा कि पहले एम्स की चर्चा होने पर केवल दिल्ली के एम्स की बात होती थी।

सरकार स्वास्थ्य मंत्रालय को आवंटित राशि खर्च करने में नाकाम रही : राज्यसभा में विपक्ष ने लगाया आरोप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राज्यसभा में बुधवार को विभिन्न विपक्षी दलों के सदस्यों ने दावा किया कि स्वास्थ्य मंत्रालय के बजट में कटौती की गयी है और सरकार पिछले साल आवंटित राशि को पूरी तरह खर्च करने में नाकाम रही।

स्वास्थ्य मंत्रालय के कामकाज पर उच्च सदन में हुयी चर्चा में भाग लेते हुए कांग्रेस सदस्य रेणुका चौधरी ने कहा कि यह वास्तविकता है कि इस मंत्रालय के बजट में कटौती की गयी है। उन्होंने अफसोस जताया कि सरकार पिछले साल आवंटित राशि भी पूरी तरह खर्च नहीं कर सकी। उन्होंने कहा कि एक ओर आबादी बढ़ रही है वहीं स्वास्थ्य के बजट में कमी हो रही है। उन्होंने कहा कि देश में बच्चों में कुपोषण और महिलाओं में एनीमिया की समस्या गंभीर है। कांग्रेस सदस्य ने दावा किया कि टीबी बीमारी की जांच पद्धति अब भी काफी पुरानी है जबकि बीमारी

का स्वरूप बदलता जा रहा है। उन्होंने कहा कि उचित जांच नहीं होने से कई बार टीबी पकड़ में नहीं आता और डॉक्टर अन्य रोगों का इलाज करने लगते हैं। उन्होंने कैंसर मरीजों के लिए हवाई एवं रेल टिकटों में छूट दिए जाने की भी मांग की।

माकपा सदस्य वी शिवदासान ने दावा किया कि देश में स्वास्थ्य क्षेत्र की स्थिति बदहाल है और यह वेंटिलेटर पर है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य मंत्रालय का बजट पहले ही कम है, ऊपर से सरकार उस राशि को भी खर्च नहीं कर पा रही है। उन्होंने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि वह मूर्तियों पर विशाल राशि खर्च कर सकती है लेकिन उसके पास स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए पैसे नहीं हैं।

खेलमंत्री मांडविया ने स्कूलों में डोपिंग शिक्षा शामिल करने की अपील की

नई दिल्ली/भाषा। खेलमंत्री मनसुख मांडविया ने स्कूलों में डोपिंग शिक्षा शामिल करने और ग्रामीण इलाकों में जागरूकता अभियान शुरू करने की अपील की ताकि इस खतरे से निपटा जा सके । एनडीटीएल की सालाना कांफ्रेंस में 'डोपिंग निरोधक विज्ञान : पहल और चुनौतियां' विषय पर मांडविया ने दोहराया कि सरकार खेलों में निष्पक्ष और स्वच्छ प्रतिस्पर्धा को बढावा देने के लिये समर्पित है । राष्ट्रीय डोप टेस्टिंग लेबोरेटरी (एनडीटीएल) द्वारा आयोजित सम्मेलन में वैज्ञानिकों, कोचों, शारीरिक शिक्षा पेशेवरों, खेल महासंघों और छात्रों के बीच डोपिंग निरोधक विज्ञान में नई प्रगति और चुनौतियों पर चर्चा की जायेगी । मांडविया ने डोपिंग निरोधक नियमों की खिलाड़ियों को जानकारी देने में खेल महासंघों और संगठनों को अधिक सक्रिय भूमिका निभाने पर भी जोर दिया।

विश्व डोपिंग निरोधक एजेंसी द्वारा 2024 में कराये गए दस वर्ष के अध्ययन के अनुसार अवयस्कों द्वारा डोपिंग के सकारात्मक मामलों में भारत का रिकॉर्ड बहुत खराब है और सर्वाधिक मामलों की सूची में वह दूसरे स्थान पर है।

सुनीता विलियम्स को भारत रत्न दिया जाना चाहिए : ममता बनर्जी

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार को कहा कि अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स को अंतरिक्ष में करीब नौ महीने बिताने के दौरान आई चुनौतियों का सामना करने के लिए भारत रत्न से सम्मानित किया जाना चाहिए। बनर्जी ने विधानसभा में सुनीता विलियम्स और उनके बचाव दल को बधाई दी तथा अंतरिक्ष यात्रियों को पृथ्वी पर वापस लाने में उनके सराहनीय प्रयासों की प्रशंसा की।

अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और बुच विलमोर अन्य दो अंतरिक्ष यात्रियों के साथ स्पेसएक्स के ड्रैगन कैप्सूल के जरिए पृथ्वी पर लौट आए हैं। ममता बनर्जी ने विधानसभा में कहा, ''पश्चिम बंगाल विधानसभा विलियम्स और एक अन्य अंतरिक्ष यात्री को बचाने वाली टीम को धन्यवाद देना चाहती है, जो कई महीनों से अंतरिक्ष में फंसे हुए थे। मैं उन्हें और सुनीता विलियम्स को बधाई देती हूं। मुझे लगता है कि उन्हें भारत रत्न से सम्मानित किया जाना चाहिए।'' इस बीच, पश्चिम बंगाल के भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायकों ने बुधवार को नासा की अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स को अंतरिक्ष में नौ महीने बिताने के बाद सुरक्षित धरती पर लौटने पर बधाई दी। विलियम्स को बधाई देने वाली तख्तियां लेकर भाजपा विधायक विधानसभा परिसर में एकत्र हुए। सत्र का पहला भाग समाप्त होने के बाद भाजपा के मुख्य सचेतक शंकर घोष ने पार्टी विधायकों के समूह का नेतृत्व किया।

बिहार: नौकरी के बदले जमीन घोटाले को लेकर लालू ईडी के समक्ष पेश हुए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के अध्यक्ष लालू प्रसाद कथित 'नौकरी के बदले जमीन' घोटाले की जांच के सिलसिले में बुधवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के सामने पेश हुए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पटना में बैंक रोड स्थित केंद्रीय एजेंसी के कार्यालय की ओर जाने वाली सड़क पर बड़ी संख्या में राजद कार्यकर्ता इकट्ठा हुए और लालू प्रसाद के समर्थन में नारेबाजी की।

प्रसाद की पत्नी राबड़ी देवी और बड़े बेटे तेज प्रताप यादव से मंगलवार को एजेंसी ने करीब चार घंटे तक पूछताछ की थी। आरोपपत्र के अनुसार, ये दोनों भी मामले में सह-आरोपी के तौर पर नामजद हैं। इस बीच, लालू के छोटे बेटे तेजस्वी यादव ने पत्रकारों से कहा, ''जितना हमें परेशान किया जाएगा, हम उतने ही मजबूत होते जाएंगे। बेशक, यह मामला राजनीति से प्रेरित है। अगर मैं राजनीति में नहीं होता, तो मुझे इसमें नहीं घसीटा जाता। मैंने दिल्ली विधानसभा चुनाव के बाद भविष्यवाणी की थी कि अब एजेंसियां बिहार की ओर अपना रुख करेंगी।'' तेजस्वी को भी इस मामले में आरोपी बनाया गया है। पिछले वर्ष ईडी ने दिल्ली की एक अदालत में प्रसाद के परिवार के सदस्यों के खिलाफ इस मामले में आरोपपत्र दाखिल किया था, जिसमें राबड़ी देवी और उनकी बेटी मीसा भारती तथा हेमा यादव के अलावा कुछ अन्य को भी आरोपी बनाया गया था।

यह मामला 2004 से 2009 के दौरान रेलवे में समूह 'डी' की नियुक्तियों से

संबंधित है। उस समय लालू यादव संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार में रेल मंत्री थे। ईडी ने पहले एक बयान में बताया था कि केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की प्राथमिकी के अनुसार, अभ्यर्थियों से रेलवे में नौकरी के बदले ''रिश्वत के तौर पर जमीन हस्तांतरित करने'' के लिए कहा गया था। धनशोधन का यह मामला सीबीआई की शिकायत पर आधारित है। एजेंसी के अनुसार, लालू प्रसाद के परिवार के सदस्यों राबड़ी देवी, मीसा भारती और हेमा यादव ने अभ्यर्थियों के परिवारों से (जो भारतीय रेलवे में ग्रुप डी संवर्ग में चयनित हुए थे) मामूली रकम पर जमीन हासिल कर ली थी। ईडी ने कहा, ''आरोपपत्र में नामजद एक अन्य आरोपी हृदयानंद चौधरी (राबड़ी देवी की गौशाला का पूर्व कर्मचारी) ने एक अभ्यर्थी से संपत्ति अर्जित की थी और बाद में उसे हेमा यादव को हस्तांतरित कर दिया था।'' एजेंसी के मुताबिक, एके इन्फोसिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड और एबी एक्सपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड जैसी फर्जी कंपनियां बनाई गईं, जिन्होंने लालू प्रसाद के परिवार के सदस्यों के लिए अवैध माध्यम से आय प्राप्त की थी। मुखौटे के तौर पर काम करने वाले लोगों द्वारा उक्त कंपनियों के नाम पर अचल संपत्तियां अर्जित की गईं।

पंड्या पिछले सत्र में एक मैच के लिए निलंबित, पहले मैच में सूर्यकुमार करेंगे कप्तानी

मुंबई/भाषा। मुंबई इंडियंस के नियमित कप्तान हार्दिक पंड्या पिछले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) सत्र में टीम के धीमी ओवर गति उल्लघंन के लिए एक मैच के लिए निलंबित है, इससे वह मौजूदा चरण का पहला मैच नहीं खेल पायेंगे जिससे इस मुकाबले में कप्तानी की जिम्मेदारी सूर्यकुमार यादव उठायेंगे। मुंबई इंडियंस रविवार को चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ अपना पहला मैच खेलेगी।

सूर्यकुमार राष्ट्रीय टी20 टीम के कप्तान हैं और उन्होंने टीम को घरेलू मैदान पर हाल में इंग्लैंड पर 4-1 से जीत दिलाई। हालांकि उनकी बल्लेबाजी फॉर्म इतनी प्रभावशाली नहीं रही और उन्होंने शृंखला के दौरान पांच मैच में सिर्फ 38 रन बनाए।

पंड्या ने यहां मुंबई इंडियंस के सत्र पूर्व आयोजित प्रेस कांफ्रेंस के दौरान कहा, ''सूर्यकुमार भारतीय टीम की कप्तानी भी करते हैं। जब मैं नहीं होता हूं तो वह आदर्श विकल्प होते हैं। '' मुंबई इंडियंस के मुख्य कोच महेला जयवर्धने ने कहा कि बीसीसीआई ने पिछले सत्र में उनकी टीम के तीन बार 'धीमी ओवरगति' उल्लंघन के कारण पंड्या पर लगे एक मैच के प्रतिबंध के बारे में टीम को बता दिया है। मुंबई इंडियंस को 2024 में 10 हार का सामना करना पड़ा था जबकि वह सिर्फ चार जीत हासिल कर पाई और यह पंड्या का कप्तान के रूप में पहला साल था।

अदालत ने युजवेंद्र चहल और उनकी पत्नी की तलाक अर्जी पर 20 मार्च तक फैसला देने का निर्देश दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। बॉम्बे उच्च न्यायालय ने बुधवार को क्रिकेटर युजवेंद्र चहल और उनकी अलग रह रही पत्नी धनश्री वर्मा द्वारा तलाक की याचिका दायर करने के बाद कानूनी रूप से अनिवार्य छह महीने की अवधि से छूट देते हुए कुटुम्ब अदालत को बृहस्पतिवार तक उनकी तलाक अर्जी पर फैसला करने का निर्देश दिया।

न्यायमूर्ति माधव जमदार की एकल पीठ ने कहा कि चहल 21 मार्च से उपलब्ध नहीं होंगे क्योंकि उन्हें इंडियन प्रीमियर लीग क्रिकेट टूर्नामेंट में भाग लेना है। चहल और वर्मा ने इस साल पांच फरवरी को यहां एक कुटुम्ब अदालत में तलाक की याचिका दायर की थी।

युजवेंद्र चहल और उनकी अलग रह रही पत्नी ने आपसी सहमति से तलाक लेने के कारण कानूनी रूप से अनिवार्य छह महीने की अवधि को माफ करने का अनुरोध करते हुए एक याचिका दायर की थी।

हालांकि, 20 फरवरी को कुटुम्ब अदालत ने इससे छूट देने से इनकार कर दिया। इसके बाद दोनों ने कुटुम्ब अदालत के आदेश को उच्च न्यायालय में चुनौती दी।

आईपीएल 2025 में महेंद्र सिंह धोनी की चमक फिर देखने को मिलेगी : रॉबिन उथप्पा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/भाषा। भारत के पूर्व बल्लेबाज रॉबिन उथप्पा ने कहा कि आईपीएल के आगामी सत्र में क्रिकेटप्रेमियों को महेंद्र सिंह धोनी के हुनर की झलक देखने को मिलेगी क्योंकि पूर्व कप्तान बल्लेबाजी क्रम में सातवें या आठवें नंबर पर उतर सकते हैं ।

43 वर्ष के धोनी ने मंगलवार को चेन्नई सुपर किंग्स के अभ्यास सत्र में उम्दा बल्लेबाजी करके अपनी तैयारी की झलक दी । उन्होंने तेज गेंदबाज मथीषा पथिराना के यॉर्कर पर उनके

सिर के ऊपर से छक्का लगाया । उथप्पा ने कहा ,'' जहां तक माही का सवाल है तो मुझे लगता है कि हमें उसकी जबर्दस्त प्रतिभा की झलक देखने को मिलेगी क्योंकि वह सातवें या आठवें नंबर पर उतर सकते हैं । पिछली बार भी हमने देखा कि उन्होंने इसी क्रम पर उतरकर 12 से 20 गेंदें खेली ।''

क्या धोनी इस सत्र के बाद संन्यास लेंगे, यह पूछने पर उथप्पा ने कयास लगाने से इनकार किया । उन्होंने कहा ,'' मुझे नहीं लगता कि जुनून कभी खत्म होता है । एमएस का खेल के लिये प्यार थोड़ा भी कम नहीं हुआ है । इसी वजह से वह खेल भी रहा है । इस उम्र में भी विकेट के पीछे वह सबसे चुस्त है ।'' जियो स्टार विशेषज्ञ उथप्पा ने कहा ,'' अगर आपके पास वैसा कौशल और जुनून है तो मुझे नहीं लगता कि किसी कारण से रूकने की जरूरत है । अगर सत्र के अंत में वह संन्यास लेते हैं तो भी मुझे हैरानी नहीं होगी । और अगर इसके बाद वह चार सत्र और खेलते हैं तो भी मैं हैरान नहीं होने वाला ।'' विराट कोहली और रोहित शर्मा पिछले साल टी20 विश्व कप खेलने के बाद पहली बार इस प्रारूप में खेलेंगे।

उथप्पा ने कहा कि दोनों ने इस सत्र में शानदार प्रदर्शन किया है । उन्होंने कहा ,''विराट शानदार फॉर्म में है और यहां के हालात से वाकिफ भी है । पिछले कुछ समय में रोहित अपनी क्षमता के अनुरूप प्रदर्शन नहीं कर सका है लेकिन इस समय सब कुछ उसके पक्ष में लग रहा है । यह आईपीएल में उसके सर्वश्रेष्ठ सत्र में से एक हो सकता है ।''

दो लड़कों ने नाबालिग लड़की को शराब पिलाकर किया सामूहिक दुष्कर्म

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नबरंगपुर (ओडिशा)/भाषा। ओडिशा के नवरंगपुर जिले में 11 वर्षीय लड़की को शराब पिलाने के बाद दो किशोरों द्वारा उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म का मामला सामने आया है। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी।

पुलिस के अनुसार, घटना 15 मार्च को उस समय हुई जब लड़की उमरकोट थाना क्षेत्र के अंतर्गत अपने घर के पास होली खेल रही थी।

ये मामला तब सामने आया जब अगले दिन लड़की ने अपने माता-पिता को इस घटना के बारे में बताया।

लड़की के माता-पिता ने बाद में उमरकोट थाने में शिकायत दर्ज कराई, जिसमें आरोप लगाया गया कि दो स्थानीय लड़कों ने उनकी बेटी को पहले शराब पीने के लिए मजबूर किया और फिर उसके साथ दुष्कर्म किया।

नबरंगपुर के पुलिस अधीक्षक (एसपी) मिहिर कुमार पांडा ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, ''हमने लड़की से दुष्कर्म के आरोप में 15 और 17 साल के दो लड़कों को गिरफ्तार किया है। उन्हें मंगलवार को नबरंगपुर की एक अदालत में पेश किया गया। अदालत ने उन्हें किशोर सुधार गृह भेज दिया।''

एसपी मिहिर कुमार पांडा ने बताया कि अपराध करने के बाद लड़के इलाके से भाग गए और बाद में पुलिस ने उन्हें जिले में एक स्थान से गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने बताया कि पीड़िता और लड़के दोनों शराब के नशे में थे।

पुलिस ने बताया कि पीड़िता कक्षा सात की छात्रा है और लड़के उसके दूर के रिश्तेदार हैं।

पीड़िता और लड़कों को यहां जिला मुख्यालय अस्पताल में चिकित्सा परीक्षण के लिए ले जाया गया।

सुविचार

जो मन की पीड़ा को स्पष्ट रूप में कह नहीं सकता, उसी को क्रोध अधिक आता है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

इस 'सब्ज़ बाग़' से रहें सावधान

भारत में ऑनलाइन सट्टेबाजी और जुए की गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों में और तेजी लाने की जरूरत है। उसने साल 2024 में 1,097 ऐसी वेबसाइटों को ब्लॉक किया था, जो बहुत बड़ा आंकड़ा है, लेकिन ऑनलाइन सट्टेबाजी और जुए से लोगों के बर्बाद होने का सिलसिला जारी है। बेशक सरकार को ऐसी किसी वेबसाइट को ब्लॉक करने और संबंधित लोगों को अदालत से सजा दिलाने के लिए ठोस आधार और सबूतों की जरूरत होती है। अगर पर्याप्त सबूत न मिलें तो ऐसे लोगों को जेल से बाहर आने में ज्यादा समय नहीं लगेगा। जनता को भी जागरूक होना पड़ेगा। इन दिनों सोशल मीडिया पर सट्टेबाजी और जुए को बढ़ावा देने वाले विज्ञापन खूब प्रसारित हो रहे हैं। उनमें कुछ सेलिब्रिटीज़ दिखाई दे रहे हैं। कुछ कथित यूट्यूबरों और सोशल मीडिया इंफ्लुएंसरों की तो चांदी हो गई है। उन्हें लाखों लोग फॉलो करते हैं और वे उन्हें बता रहे हैं कि जल्द अमीर बनना है तो यह ऐप डाउनलोड करें, मेरा कोड लगाएं। अगर किसी को नुकसान हो गया तो उसकी भरपाई कौन करेगा? क्या ये कथित यूट्यूबर और सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर उस समय उदारता दिखाते हुए संबंधित लोगों के बैंक खातों में रकम भेजेंगे? हैदराबाद में ऐसे 11 यूट्यूबरों और सोशल मीडिया इंफ्लुएंसरों के खिलाफ मामला दर्ज हुआ है। इन पर सोशल मीडिया मंचों पर सट्टेबाजी संबंधी ऐप को बढ़ावा देने का आरोप है। केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने भी लोकसभा में प्रश्नकाल में कहा कि साइबर जगत की अच्छी चीजें लेनी चाहिएं, इसकी बुराइयों से बचना चाहिए ... ऑनलाइन गेमिंग के दुष्प्रभावों से निपटने के लिए राज्य सरकारों और केंद्र को मिलकर काम करना होगा।

वहीं, अन्य सांसदों का यह कहते हुए चिंता जताना भी स्वाभाविक है कि ऑनलाइन गेमिंग और जुए से कई युवा और उनके परिवार बर्बाद हो गए हैं। इन गतिविधियों का 'ऑनलाइन जहर' इतना ज्यादा फैल चुका है कि अब हर कहीं ऐसे लोगों के बारे में सुनने को मिल जाता है कि वे या उनके कोई परिचित, लालच में आकर बहुत बड़ी रकम गंवा बैठे। खासकर आईपीएल के दौरान तो बहुत लोग दांव लगाकर अपनी जमा-पूंजी हार जाते हैं। जब वे रातोंरात करोड़पति बनने के चक्कर में कंगाल होते हैं तो भारी पछतावा होता है। इसके बावजूद उनमें से बहुत लोग ऑनलाइन सट्टे और जुए की लत नहीं छोड़ पाते। तब उनके सिर पर यह जुनून सवार रहता है कि मुझे पिछले 'घाटे की भरपाई' करनी है। वे उस भरपाई के फेर में अपना ही नुकसान करवा बैठते हैं। एक के बाद एक दांव उल्टा पड़ने से मानसिक स्वास्थ्य पर भी गहरा असर होता है। क्रिकेट मैचों पर ऑनलाइन सट्टा लगाने वाला एक शख्स, जिसका अच्छा-खासा कारोबार हुआ करता था और उसके उज्ज्वल भविष्य की भरपूर संभावनाएं थीं, अब उन सेलिब्रिटीज को कोसता है, जिनके कहने पर उसने अपने मोबाइल फोन में एक ऐप डाउनलोड किया था। शुरुआत में उसे थोड़ा-बहुत फायदा हुआ, लेकिन जैसे-जैसे आगे बढ़ता गया, नुकसान होता गया। अब स्थिति यह है कि वह जिस मकान में रहता था, उसे कौड़ियों के भाव बेचकर ऐसी जगह रहना पड़ रहा है, जिसकी उसने कभी कल्पना नहीं की थी। उसका कारोबार चौपट हो गया, क्योंकि नया माल खरीदने के लिए रकम नहीं थी। बाज़ार में यह बात फैल चुकी थी कि इसे सट्टे में भारी नुकसान हो गया है तो कोई भला इन्सान उधार नहीं देता। उसके घर में रोजाना झगड़े होते हैं। कई बार तो बीच-बचाव के लिए पड़ोसियों को आना पड़ता है। दांव छोटा हो या बड़ा, जुआ, सट्टा जैसी गतिविधियां अपने साथ बर्बादी ही लाएंगी। इनसे संबंधित ऐप डाउनलोड करने के लिए कोई सेलिब्रिटी, यूट्यूबर या सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर कितने ही 'सब्ज़ बाग़' दिखाए, उसकी बातों में बिल्कुल न आएं। नुकसान होने पर ये लोग मदद करने नहीं आएंगे।

ट्वीटर टॉक

सुनीता विलियम्स की अंतरिक्ष से सफल वापसी पूरी दुनिया के लिए एक खुशी का पल है परन्तु हम भारतीयों के लिए यह गर्व के साथ भावुक मौका भी है। भारतीय मूल की पहली महिला अंतरिक्ष यात्री कल्पना चावला अंतरिक्ष से वापस आते समय दुर्घटना का शिकार हो गईं थीं।

-अशोक गहलोत

भारतीय मूल की अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स ने अंतरिक्ष में 9 महीने रहकर धैर्य, साहस और दृढ़ संकल्प का परिचय दिया है। यह उपलब्धि न केवल भारत के लिए गौरव का क्षण है, बल्कि संपूर्ण मानवता के लिए प्रेरणा का स्रोत भी है।

-भजनलाल शर्मा

नारी शक्ति की प्रेरणा सुनीता विलियम्स जी और उनकी पूरी टीम की 9 महीने के लंबे इंतजार के बाद अंतरिक्ष से पुनः पृथ्वी पर सकुशल वापसी की बहुत-बहुत बधाई। आपका साहस, समर्पण और मेहनत हमें सिखाता है कि अगर हमारी इच्छाशक्ति मजबूत हो।

-दीया कुमारी

प्रेरक प्रसंग

संतुलन कला

एक बार संत सुकुमालनंदी जी मनुष्य के स्वभाव पर चर्चा कर रहे थे कि स्वभाव का संतुलन ही जीवन की मधुरता है। मगर एक शिष्य का कहना था कि क्रोध, बेचैनी, दुख, पराजय आदि से जूझते हुए कैसे संतुलन संभव है। तब संत ने समझाया कि कच्चे आम का स्वभाव खट्टा होता है, गुड़ मीठा होता है, मेथी कड़वी होती है, मिर्च तीखी होती है, और नमक की प्रकृति लवणता लिए होती है। फिर भी, जब ये सब मिलते हैं, एक जायकेदार अचार बनते हैं, तो हर किसी को पसंद आता है। यही संदेश हमें जीवन से भी लेना चाहिएहर व्यक्ति का स्वभाव अलग होता है, लेकिन यदि हम सबके साथ सामंजस्य बैठाना सीख लें, तो जीवन भी स्वादिष्ट और मधुर हो जाएगा। इसलिए संतुलन ही जीवनभर की सबसे बड़ी कला है।

सामयिक

सुनीता विलियम्स की गौरवमय वापसी

डॉ सत्यवान सौरभ
मोबाइल : 9466526148

नासा की अनुभवी अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और उनके साथी बुच विल्मोर, जो पिछले नौ महीने से अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर थे, आज सफलतापूर्वक धरती पर लौट आए हैं। स्पेसएक्स के ड्रैगन कैप्सूल की मदद से उन्होंने मेक्सिको की खाड़ी में सुरक्षित लैंडिंग की। सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर जून 2024 में बोइंग के स्टारलाइनर के साथ परीक्षण उड़ान के लिए अंतरिक्ष में गए थे। हालांकि, स्टारलाइनर में तकनीकी खामी के कारण उनकी वापसी में देरी हुई, जिससे वे नौ महीने तक खड्ड पर रहे। उनकी वापसी के लिए स्पेसएक्स का क्रू-10 मिशन लॉन्च किया गया था, जिसने सफलतापूर्वक उन्हें धरती पर वापस लाया। वापसी के बाद, दोनों अंतरिक्ष यात्रियों को स्ट्रेचर पर ले जाया गया, जो लंबे समय तक भारहीनता में रहने के बाद सामान्य प्रक्रिया है। यह मिशन न केवल तकनीकी दृष्टि से महत्त्वपूर्ण रहा, बल्कि इससे वैज्ञानिकों को अंतरिक्ष में लंबे समय तक रहने के प्रभावों को समझने में भी मदद मिलेगी। इससे नासा और अन्य अंतरिक्ष एजेंसियों को भविष्य के गहरे अंतरिक्ष अभियानों, जैसे कि मंगल पर मानव मिशन की योजना बनाने में सहायता मिलेगी। सुनीता विलियम्स की यह वापसी अंतरिक्ष अन्वेषण के क्षेत्र में एक महत्त्वपूर्ण उपलब्धि है। यह मिशन भविष्य के अंतरिक्ष अभियानों के लिए मूल्यवान डेटा प्रदान करेगा और अंतरिक्ष यान तकनीक के सुधार में सहायक सिद्ध होगा।

सुनीता विलियम्स और उनके जैसे अनुभवी अंतरिक्ष यात्री भविष्य के चंद्र और मंगल अभियानों में अहम भूमिका निभा सकते हैं। नासा और अन्य स्पेस एजेंसियाँ अब दीर्घकालिक अंतरिक्ष मिशनों की तैयारी कर रही हैं, जिनमें अंतरिक्ष में रहने के नए तरीके, कृत्रिम गुरुत्वाकर्षण की संभावनाएँ और अंतरिक्ष यात्रियों के स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभावों को कम करने की रणनीतियाँ शामिल हैं। इसके अलावा, स्टारलाइनर जैसी तकनीकों में सुधार कर, अंतरिक्ष अन्वेषण को अधिक सुरक्षित और कुशल बनाया जाएगा। अंतरिक्ष में मानव उपस्थिति को और विस्तारित करने के लिए वैज्ञानिक शोध जारी रहेंगे, जिससे भविष्य में मंगल और उससे आगे की यात्राएँ संभव हो सकेंगी। सुनीता विलियम्स भारतीय मूल की अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री हैं, जिनका भारत से गहरा जुड़ाव रहा है।

उनके पिता भारतीय मूल के हैं और उन्होंने कई बार भारत के प्रति अपने प्रेम को व्यक्त किया है। भारत में अंतरिक्ष विज्ञान और अनुसंधान की बढ़ती उपलब्धियों के बीच, सुनीता विलियम्स एक प्रेरणास्रोत बनी हुई हैं। इसरो भी अब मानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम, गगनयान, की दिशा में तेजी से बढ़ रहा है। इसरो ने हाल ही में गगनयान के लिए प्रमुख परीक्षण पूरे किए हैं और आने वाले वर्षों में भारत के पहले मानव अंतरिक्ष मिशन को लॉन्च करने की योजना बना रहा है।

सुनीता विलियम्स की उपलब्धियाँ न केवल भारतीय वैज्ञानिकों बल्कि देश के युवाओं के लिए भी प्रेरणा का स्रोत हैं। उनकी सफलता यह दिखाती है कि भारतीय मूल के लोग वैश्विक वैज्ञानिक समुदाय में महत्त्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। भविष्य में, इसरो और नासा के बीच सहयोग बढ़ सकता है, जिससे भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम को और मजबूती मिलेगी। सुनीता विलियम्स न केवल एक उत्कृष्ट अंतरिक्ष यात्री हैं, बल्कि एक प्रेरणादायक व्यक्तित्व भी हैं। उनका सफ़र यह दर्शाता है कि कड़ी मेहनत, दृढ़ संकल्प और विज्ञान के प्रति जुनून कैसे किसी को नई ऊंचाइयों तक पहुँचा सकता है। उन्होंने विशेष रूप से महिलाओं और युवा वैज्ञानिकों को प्रेरित किया है कि वे अंतरिक्ष अनुसंधान और विज्ञान के क्षेत्र में आगे बढ़ें। उन्होंने कई मौकों पर भारतीय छात्रों और युवाओं से संवाद किया है और उन्हें वैज्ञानिक क्षेत्रों में करियर बनाने के लिए प्रोत्साहित किया है। उनके अनुभव और उपलब्धियाँ न केवल अंतरिक्ष क्षेत्र बल्कि विज्ञान और तकनीक में रुचि रखने वाले प्रत्येक व्यक्ति के लिए एक प्रेरणा हैं। उनकी कहानी यह संदेश देती है कि सीमाएँ केवल मानसिकता में होती हैं और यदि कोई लक्ष्य निर्धारित किया जाए, तो उसे प्राप्त किया जा सकता है।

सुनीता विलियम्स और उनके जैसे अनुभवी अंतरिक्ष यात्री भविष्य के चंद्र और मंगल अभियानों में अहम भूमिका निभा सकते हैं। नासा और अन्य स्पेस एजेंसियाँ अब दीर्घकालिक अंतरिक्ष मिशनों की तैयारी कर रही हैं, जिनमें अंतरिक्ष में रहने के नए तरीके, कृत्रिम गुरुत्वाकर्षण की संभावनाएँ और अंतरिक्ष यात्रियों के स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभावों को कम करने की रणनीतियाँ शामिल हैं। इसके अलावा, स्टारलाइनर जैसी तकनीकों में सुधार कर, अंतरिक्ष अन्वेषण को अधिक सुरक्षित और कुशल बनाया जाएगा। अंतरिक्ष में मानव उपस्थिति को और विस्तारित करने के लिए वैज्ञानिक शोध जारी रहेंगे, जिससे भविष्य में मंगल और उससे आगे की यात्राएँ संभव हो सकेंगी। सुनीता विलियम्स की यह वापसी अंतरिक्ष अन्वेषण के क्षेत्र में एक महत्त्वपूर्ण उपलब्धि है। यह मिशन भविष्य के अंतरिक्ष अभियानों के लिए मूल्यवान डेटा प्रदान करेगा और अंतरिक्ष यान तकनीक के सुधार में सहायक सिद्ध होगा। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सुनीता विलियम्स की सफल वापसी पर बधाई दी और उनके साहस तथा समर्पण की सराहना की। उन्होंने कहा कि सुनीता विलियम्स न केवल भारतीय मूल के लोगों के लिए गर्व का विषय हैं, बल्कि पूरे विश्व के लिए प्रेरणास्रोत हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने यह भी कहा कि उनका यह मिशन भारत के अंतरिक्ष वैज्ञानिकों और युवाओं के लिए एक प्रेरणा है, जो अंतरिक्ष में नई ऊंचाइयों को छूने का सपना देखते हैं।

नजरिया

गौरैया का सुरक्षित रखना इसलिए भी जरूरी है क्योंकि यह खेतों की फसलों को नुकसान पहुंचाने वाले कीटों को खा लेती है। जिससे किसान की फसल खराब होने से बच जाती हैं। गौरैया अपना घौंसला इंसानों के करीब बनाती है। इससे उनके घौंसले उजाड़ दिए जाते हैं। बढ़ता वायु प्रदूषण भी इन पक्षियों के लिए मुसीबत है। इसलिए जरूरी है कि हम अभी से यह समझने की कोशिश करें कि छोटी सी गौरैया हमारे जीवन के लिए कितनी अहम है।

तू है चिड़िया मेरे आंगन की

रमेश सर्राफ धमोरा
मोबाइल : 9414255034

हमारे घर के आंगन में सबसे बड़ी संख्या में एक छोटी चिड़िया देखने को मिलती है जिसे हम गौरैया कहते हैं। यह चिड़िया बचपन से ही हमारी साथी बन जाती है। जब बच्चा कुछ समझने लगता है तो सर्वप्रथम उसको जो पक्षी देखने को मिलता है वह नन्ही चिड़िया यानी गौरैया होती है। यह नन्ही चिड़िया बच्चों के इर्द-गिर्द ही घूमती रहती है और अपनी मीठी आवाज से उन्हें आकर्षित करती रहती है। गौरैया बच्चों के हाथ से कई बार खाने की वस्तु भी झपटकर ले जाती है। छोटे बच्चे उन्हें पकड़ने के लिए उसके पीछे दौड़ते हैं और वह फुर्र से उड़कर ऊपर बैठ जाती है। गांव देहातों में यह आज भी देखने को मिल जाता है। मगर शहरों में अब ऐसा नजारा शायद ही कहीं देखने को मिलता होगा।

कभी बड़ी संख्या में हमारे साथ रहने वाली गौरैया अब धीरे-धीरे बहुत कम होती जा रही है। मगर जीवन की भाग दौड़ में किसी का ध्यान इनकी घाटी संख्या की तरफ नहीं जा रहा है। बच्चों की सबसे नजदीकी मित्र गौरैया जिस तेजी से कम होती जा रही है उससे लगता है आने वाले समय में यह कहीं विलुप्त ना हो जाए। इसलिए हम सबको मिलकर गंभीरता से ऐसे प्रयास करने चाहिए जिससे गौरैया को संरक्षण मिल सके और उनकी संख्या में फिर से बढ़ोतरी प्रारंभ हो सके।

गौरैया छोटे, फुर्तीले पक्षी होते हैं जो 4 से 7 इंच तक लम्बे होते हैं। उनके गोल, मोटा शरीर और छोटी मजबूत चोंच होती हैं जो खुले बीजों को तोड़ने के लिए उपयुक्त होती हैं। उनके पंखों पर धारियां या गहरे रंग के धब्बे होते हैं। यह हल्की भूरे रंग या सफेद रंग में होती है। इसके शरीर पर छोटे-छोटे पंख और पीली चोंच व पैरों का रंग पीला होता है। गौरैया मनुष्य के आसपास रहना पसंद करती है। यह लगभग हर तरह की जलवायु पसंद करती है पर पहाड़ी स्थानों में कम दिखाई देती है। शहरों, कस्बों, गांवों, और खेतों के आसपास यह बहुतयात से पाई जाती है। नर गौरैया के सिर का ऊपरी भाग नीचे का भाग और गालों पर पर भूरे रंग का होता है। गला चोंच और आंखों पर काला रंग होता है और पैर भूरे होते है। मादा के सिर और गले पर भूरा रंग नहीं होता है। नर गौरैया को चिड़ा और मादा चिड़ी या चिड़िया भी कहते हैं।

गौरैया पक्षियों के पैसर वंश की एक जीव वैज्ञानिक जाति है जो विश्व के अधिकांश भागों में पाई जाती है। आरम्भ में यह एशिया, यूरोप और भूमध्य सागर के तटवर्ती क्षेत्रों में पाई जाती थी। लेकिन मानवों ने इसे विश्वभर में फैला दिया है। यह मनुष्यों के समीप कई स्थानों में रहती हैं। पिछले कुछ सालों में शहरों में गौरैया की कम होती संख्या पर चिन्ता प्रकट की जा रही है। आधुनिक स्थापत्य की बहुमंजिली इमारतों में गौरैया को रहने के लिए जगह नहीं मिल पाती।

हर वर्ष 20 मार्च को विश्व गौरैया दिवस मनाया जाता है। इस दिन को मनाने का उद्देश्य है गौरैया के संरक्षण के प्रति लोगों को जागरूक करना और उनके लिए हमारे आस पास का माहौल बेहतर करना है। गौरैया चिड़िया को घरेलू चिड़िया भी कहा जाता है। क्योंकि यह घरों के अंदर भी घोसले बनकर रह लेती है। ये मानव और प्रकृति के लिए बहुत उपयोगी है। क्योंकि यह कीड़ों को खाती है जिससे कीड़े पौधों को नुकसान नहीं पहुंचा पाते हैं। गौरैया एक ऐसी चिड़िया है जो पर्यावरण के लिए बहुत जरूरी है। इसके अलावा धर्मशास्त्र के मुताबिक गौरैया का आपकी छत पर आना आपके लिए शुभ होता है। जानकारों का कहना हैं कि यह चिड़िया शांति और सदभावना का संदेश लेकर आती है।

आंकड़े बताते हैं कि विश्व भर में घर-आंगन में चहकने-फुदकनेवाली छोटी सी प्यारी चिड़िया गौरैया की आबादी में 60 से 80 फीसदी तक की कमी आई है। ब्रिटेन की रॉयल सोसाइटी ऑफ प्रोटेक्शन ऑफ बर्ड्स' ने भारत से लेकर विश्व के विभिन्न हिस्सों में अनुसंधानकर्ताओं द्वारा किए गए अध्ययनों के आधार पर गौरैया को रेड लिस्ट' में डाला था। वहीं आंध्र विश्वविद्यालय द्वारा किए गए अध्ययन के मुताबिक गौरैया की आबादी में करीब 60 फीसदी की कमी आई है। यह कमी ग्रामीण और शहरी दोनों ही क्षेत्रों में हुई है। पश्चिमी देशों में हुए अध्ययनों के अनुसार गौरैया की आबादी घटकर खतरनाक स्तर तक पहुंच गई है। जबकि स्टेट ऑफ इंडियाज बर्ड्स (एसओआईबी) रिपोर्ट 2023 के मुताबिक पिछले 25 सालों में गौरैया की आबादी कुल मिलाकर काफी स्थिर रही है। हालांकि भारत में हाउस स्पैरो की संख्या कम होने की आम धारणा है। गौरैया के संरक्षण के प्रति जागरूकता को लेकर दिल्ली सरकार ने 2012 और बिहार सरकार ने 2013 से गौरैया को राजकीय पक्षी घोषित कर रखा है।

कभी हमारे घर-आंगन में गिरे अनाज को खाने गौरैया फुर्र से आती थी और दाना चुगकर उड़ जाती थी। हालांकि गांवों में आज भी कई घरों में गौरैया आ रही है। गौरैया की संख्या में कमी के पीछे कई कारण हैं जिन पर लगातार शोध हो रहे हैं। गौरैया की संख्या में कमी के पीछे के कारणों में आहार की कमी, बढ़ता आवासीय संकट, कीटनाशक का व्यापक प्रयोग, जीवन-शैली में बदलाव, प्रदूषण और मोबाइल फोन टावर से निकलने वाले रेडिएशन को दोषी बताया जाता रहा है।

गौरैया की संख्या में कमी के पीछे बेतहाशा कीटनाशक का प्रयोग को माना जा रहा है। गौरैया अपने बच्चे को फसल, साग-सब्जी, फलों में लगनेवाले कीड़े को खिलाती है। इससे गौरैया के बच्चे को भरपूर प्रोटीन मिलता है। बच्चा अनाज खा नहीं सकता है लेकिन जिस तरह से फसल-सब्जी-फल-अनाज में कीटनाशकों का इस्तेमाल बढ़ा है। उससे उनके बच्चों को सही आहार मिल पाने में परेशानी हो रही है। फसल और साग-सब्जी में बेतहाशा कीटनाशक के प्रयोग ने कीड़ों को मार डाला है। ऐसे में गौरैया अपने बच्चे को पालने के दौरान समुचित आहार यानी प्रोटीन नहीं दे पाती है और बच्चे कमजोर हो जाते हैं।

गौरैया के प्रजनन के लिए अनुकूल आवास में कमी को भी इसकी संख्या में कमी का एक कारण माना जा रहा है। कच्चे घरों का तेजी से कंक्रीट के जंगलों में तब्दील होने से शहरों में इनके प्रजनन के लिए अनुकूल आवास नहीं मिलते हैं। यही वजह है कि एक ही शहर के कुछ इलाकों में ये दिखती है तो कुछ में नहीं।

गौरैया संरक्षण में जुड़े लोग कृत्रिम घर बनाकर गौरैया को प्रजनन के लिए आवास देने की पहल चला रहे हैं। इसमें गौरैया अंडे देने के लिए आ भी रही हैं। जहां तक गौरैया का सवाल है यह इन्सानों की दोस्त तथा किसानों की मददगार है। गौरैया इन्सान के साथ रहते हुए उन्हें सुख-शांति प्रदान करती हैं। बच्चों का बचपन इसके साथ खेलते हुए गुजरता है। लेकिन हम इन्सानो ने ही इसे अपने से दूर कर दिया है। भारत में पक्षियों की कुल मिलाकर 1250 प्रजातियां हैं। जिनमें से 85 प्रजातियां विलुप्त होने की कगार पर हैं। जिसमें गौरैया का भी नाम शामिल है।

गौरैया का सुरक्षित रखना इसलिए भी जरूरी है क्योंकि यह खेतों की फसलों को नुकसान पहुंचाने वाले कीटों को खा लेती है। जिससे किसान की फसल खराब होने से बच जाती हैं। गौरैया अपना घौंसला इंसानों के करीब बनाती है। इससे उनके घौंसले उजाड़ दिए जाते हैं। बढ़ता वायु प्रदूषण भी इन पक्षियों के लिए मुसीबत है। इसलिए जरूरी है कि हम अभी से यह समझने की कोशिश करें कि छोटी सी गौरैया हमारे जीवन के लिए कितनी अहम है। ऐसे में उसकी रक्षा हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। 2025 में विश्व गौरैया दिवस की थीम प्रकृति के नन्हे दूतों को श्रद्धांजलि है। यह थीम पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखने में गौरैया की भूमिका पर प्रकाश डालती है और संरक्षण प्रयासों को प्रोत्साहित करती है।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंडर एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

आभार

तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी द्वारा बुधवार को हैदराबाद में विधानसभा समिति हॉल में एक बैठक में भाग लेने पर एससी नेताओं ने आभार व्यक्त किया।

भारत से और अधिक मिसाइल प्रणाली, प्लेटफॉर्म खरीदने की योजना

नई दिल्ली/भाषा। फिलीपीन के सशस्त्र बलों के 'चीफ ऑफ स्टॉफ' जनरल रोमियो सैटर्निनो ब्रॉनर जूनियर ने बुधवार को कहा कि उनका देश भारत से और अधिक मिसाइल प्रणाली और अन्य सैन्य प्लेटफॉर्म खरीदने की संभावना पर विचार कर रहा है। उन्होंने हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन से बढ़ती प्रतिस्पर्धा के बीच भारत के साथ रक्षा साझेदारी को मजबूत करने के लिए अपने देश की प्रतिबद्धता पर बल दिया।

जनरल ब्रॉनर ने 'पीटीआई वीडियो' के साथ साक्षात्कार में भारत से प्राप्त ब्रह्मोस मिसाइल प्रणालियों के फिलीपीन के मौजूदा भंडार पर संतोष व्यक्त किया।

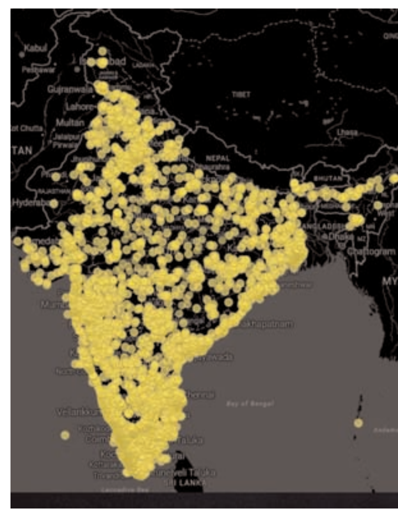

अल्ट्रावॉयलेट टेसेरैक्ट ने दो हफ्तों में 50,000 प्री-बुकिंग का आंकड़ा पार किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। परफॉर्मेंस इलेक्ट्रिक मोबिलिटी में अग्रणी अल्ट्रावायलेट ने उन्नत स्कूटर टेसेरैक्ट के साथ उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। वैश्विक स्तर पर पेशकश के सिर्फ दो हफ्ते के भीतर टेसेरैक्ट ने 50,000 प्री-बुकिंग को पार कर लिया। इसे उपभोक्ताओं की ओर से जबर्दस्त प्रतिक्रिया मिली है।

अल्ट्रावायलेट ऑटोमोटिव के सीईओ और सह-संस्थापक नारायण सुब्रमण्यम ने कहा, 'टेसेरैक्ट को मिली प्रतिक्रिया बिल्कुल अभूतपूर्व रही है। सिर्फ दो हफ्तों में 50,000 प्री-बुकिंग का आंकड़ा पार करना, वास्तव में एडवांस्ड मोबिलिटी सॉल्यूशन की चाह को दर्शाता है। टेसेरैक्ट महज एक इलेक्ट्रिक स्कूटर नहीं है। यह लोगों के आवागमन के तरीके में एक क्रांति है।'

उन्होंने कहा, 'भारत में सभी जगहों से ऐसा उत्साह और समर्थन देखना हमारे लिए गर्व का क्षण है। हमारा लक्ष्य टेक्नोलॉजी, डिजाइन और परफॉर्मेंस की सीमाओं को आगे बढ़ाना है। हम इसके प्रति इतना उत्साह देखकर रोमांचित हैं।' अल्ट्रावॉयलेट ऑटोमोटिव के सह-संस्थापक और सीटीओ नीरज राजमोहन ने कहा, 'टेसेरैक्ट को यथास्थिति को बदलने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जिसमें भविष्यवादी डिज़ाइन को अनूठे प्रदर्शन के साथ जोड़ा गया है। यह सबसे उन्नत इलेक्ट्रिक वाहन विकसित करने की हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण है।' उन्होंने कहा, 'यह वर्षों के अत्याधुनिक रिसर्च और इनोवेशन का प्रतिनिधित्व करता है, जिसका नतीजा एक ऐसा स्कूटर है, जो न सिर्फ कुशल है, बल्कि सवारी करने में भी रोमांचकारी है। भारी प्री-बुकिंग से हमारा यह विश्वास मजबूत होता है कि उपभोक्ता मोबिलिटी में क्रांतिकारी बदलाव के लिए तैयार हैं। यह इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर्स में एक नए युग की शुरुआत है।'

टेसेरैक्ट चार अलग-अलग रंग विकल्पों डेजर्ट सैंड, स्टील्थ ब्लैक, सोनिक पिंक और सोलर व्हाइट में उपलब्ध है। टेसेरैक्ट के लिए प्री-बुकिंग कंपनी की वेबसाइट पर 999 रुपए से शुरू है।

सुनीता विलियम्सः इतिहास रच देने वाली भारतीय मूल की अंतरिक्षयात्री

नई दिल्ली/भाषा। नासा की अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स यूं तो पहले भी दो बार अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन जा चुकी हैं लेकिन शायद ही उन्होंने यह कल्पना की होगी कि तीसरी बार अंतरिक्ष में जाने के बाद उन्हें वापसी के लिए लंबा इंतजार करना होगा और यह घटना इतिहास के पन्नों में दर्ज होगी।

नासा के अंतरिक्षयात्री बुच विल्मोर और सुनीता विलियम्स नौ महीने अंतरिक्ष में रहने के बाद भारतीय समयानुसार बुधवार तड़के पृथ्वी पर लौट आए।

विलियम्स और नासा के उनके सहयोगी अंतरिक्ष यात्री बुच विल्मोर और निक हेग तथा रूसी अंतरिक्ष एजेंसी 'रोस्कोस्मोस' के अंतरिक्ष यात्री अलेक्जेंडर गोरबुनोव, स्पेसएक्स के ड्रैगन अंतरिक्ष यान से पृथ्वी पर वापस लौटे, जो अमेरिका में फ्लोरिडा के तल्हासी तट के पास समुद्र में उतरा। मंगलवार को अंतरिक्ष स्टेशन से कैप्सूल अलग हुआ और अंतरिक्ष में 286 दिन बिताने के बाद बुधवार सुबह फ्लोरिडा तट पर उतरा। भारतीय मूल की विलियम्स की यह तीसरी अंतरिक्ष उड़ान थी और उन्होंने अंतरिक्ष में कुल 608 दिन बिताए हैं।

पूर्व अमेरिकी नौसैन्य कप्तान विलियम्स (59) का जन्म 19 सितंबर 1965 को यूक्लिड, ओहियो में हुआ था। उनके पिता दीपक पांड्या गुजरात के मेहसाणा जिले के झूलासन से थे तथा मां उर्सुलाइन बोनी पांड्या स्लोवेनिया से हैं। अपनी बहु-सांस्कृतिक जड़ों पर गर्व करते हुए विलियम्स अपने साथ अंतरिक्ष में अपनी विरासत के प्रतीक ले जा चुकी हैं, जिनमें समोसे, स्लोवेनियाई ध्वज और भगवान गणेश की मूर्ति शामिल हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विलियम्स और 'क्रू-9' के सदस्यों का अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन से लंबे समय बाद पृथ्वी पर लौटने पर स्वागत किया और कहा कि उनका अटूट दृढ़ संकल्प लाखों लोगों को सदैव प्रेरित करता रहेगा।

मोदी ने कहा, ''यह धैर्य, साहस और असीम मानवीय भावना की परीक्षा थी। सुनीता विलियम्स और 'क्रू9' अंतरिक्ष यात्रियों ने एक बार फिर हमें दिखाया कि दृढ़ता का असली मतलब क्या है। विशाल अज्ञात के सामने उनका अडिग दृढ़ संकल्प हमेशा लाखों लोगों को प्रेरित करेगा।'' प्रधानमंत्री ने कहा, ''पथप्रदर्शक और आदर्श सुनीता विलियम्स ने अपने पूरे करियर में इस भावना का उदाहरण पेश किया है।'' राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भी विलियम्स को ''भारत की बेटी'' बताते हुए उन्हें और उनके साथी अंतरिक्ष यात्रियों को बधाई दी।

राष्ट्रपति ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''उनकी ऐतिहासिक यात्रा दृढ़ संकल्प, मिल-जुलकर काम करने की भावना और असाधारण साहस की कहानी है। मैं उनके अटूट संकल्प को सलाम करती हूं और उनके अच्छे स्वास्थ्य की कामना करता हूं।'' पिछले वर्ष जून में बुच विल्मोर के साथ अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के लिए अपने तीसरे मिशन पर रवाना हुईं विलियम्स ने एक महिला द्वारा अंतरिक्ष में सर्वाधिक चहलकदमी किए जाने का रिकॉर्ड बनाकर इतिहास रच दिया। उनका यह तीसरा मिशन 286 दिन का रहा।

विलियम्स के नाम संबंधित मिशन क्रम में अब 62 घंटे और नौ मिनट का अतिरिक्त सक्रिय समय दर्ज है, जिससे उन्होंने पूर्व अंतरिक्ष यात्री पैगी व्हिटसन के 60 घंटे और 21 मिनट के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है। सुनीता विलियम्स को बचपन से ही विज्ञान में रुचि थी, लेकिन उनका सपना पशु चिकित्सक बनना था। उनके भाई जय का अमेरिकी नौसेना अकादमी में चयन हुआ था और वहां जाने के बाद सुनीता ने नौसेना अधिकारी बनने का सपना देखा।

धर्मगुरुओं का आह्वान : 2030 तक भारत को बाल विवाह से मुक्त बनाएं

नई दिल्ली/भाषा। देश के करीब 10 धर्मों एवं संप्रदायों के 30 धर्मगुरुओं ने बुधवार को आह्वान किया कि भारत को 2030 तक बाल विवाह से मुक्त बनाने के लिए सामूहिक प्रयास किया जाना चाहिए।

'इंडिया चाइल्ड प्रोटेक्शन' (आईसीपी) नामक संस्था की ओर से यहां एक बैठक का आयोजन किया गया जिसमें बाल विवाह के खात्मे के लिए इन धर्मगुरुओं के प्रभाव का इस्तेमाल कर बाल विवाह के खिलाफ जागरूकता के प्रसार, स्थानीय, राज्य व राष्ट्रीय स्तर पर कानूनों को लागू करने में सक्रिय सहयोग और इस कुप्रथा के अंत के लिए अंतरधार्मिक सहयोग को बढ़ावा देने पर चर्चा की गई।

संस्था की ओर से जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार, इस कार्यक्रम में हिंदू, बौद्ध, सिख, जैन, पारसी, ईसाई, यहूदी और बहाई धर्मों के प्रतिनिधियों के अलावा ब्रह्मकुमारी संस्था की प्रतिनिधि ने भी हिस्सा लिया।

'जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन' के सहयोगी संगठन आईसीपी ने इससे पहले 'चाइल्ड मैरेज फ्री इंडिया' अभियान के तहत 22 जुलाई 2024 को एक अंतरधार्मिक संवाद का आयोजन किया था जिसमें नौ धर्मों के प्रतिनिधियों ने हिस्सेदारी की थी।

'जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन' के संस्थापक भुवन ऋभु ने कहा, सभी धर्मों के धर्मगुरुओं का एक साथ आना बाल विवाह के खात्मे की दिशा में एक ऐतिहासिक और परिवर्तनकारी कदम है। बाल विवाह को किसी भी धार्मिक सत्ता का समर्थन नहीं है। यह अपराध है और अनैतिक है। आस्था, परंपरा या संस्कृति के नाम पर इन बच्चों का शोषण गंभीर अपराध है।''

रणदीप हुड्डा ने 'जाट' के लिए किया जबरदस्त बदलाव

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेता रणदीप हुड्डा ने अपनी आने वाली फिल्म 'जाट' के लिए ज़बरदस्त बदलाव किया है। रणदीप हुड्डा एक बार फिर अपनी मेहनत और एक्टिंग के प्रति समर्पण को साबित कर रहे हैं। अपनी आने वाली फिल्म 'जाट' के लिए उन्होंने ज़बरदस्त शारीरिक और मानसिक बदलाव किया है। फिल्म में वह राणातुंगा, एक खतरनाक गैंगस्टर की भूमिका निभा रहे हैं, और इस किरदार को असली रूप देने के लिए उन्होंने खुद को पूरी तरह बदल लिया है। मसल्स बढ़ाने से लेकर आवाज़ में गहराई लाने तक, उन्होंने इस किरदार को जीवंत बनाने के लिए हर मुमकिन कोशिश की है।

फिल्म से जुड़े एक करीबी सूत्र ने बताया, रणदीप हुड्डा अपने हर किरदार में पूरी तरह डूब जाने के लिए जाने जाते हैं, और 'जाट' भी इससे अलग नहीं है। पहले ही दिन से उन्होंने राणातुंगा को एक डरावना और दमदार विलेन बनाने के लिए खुद को झोंक दिया। उन्होंने अपने बाल लंबे किए, शरीर को और मज़बूत बनाया, जिससे उनका लुक और ज़्यादा प्रभावशाली लगे। उनकी बारीकी पर ध्यान देने की आदत उन्हें खास बनाती है। चाहे 'सरबजीत' हो, 'स्वतंत्र वीर सावरकर' हो या अब 'जाट', रणदीप हमेशा अपने किरदार में जान डालने के लिए पूरी मेहनत करते हैं। उनके फैंस उनकी इस काबिलियत की बहुत सराहना करते हैं, और राणातुंगा के रूप में उनका अब तक का सबसे डरावना और खतरनाक अवतार देखने को मिलेगा। 'जाट' के साथ, रणदीप हुड्डा सिनेमा के विलेन किरदारों को एक नए स्तर पर ले जाने के लिए तैयार हैं, जिसमें दर्शकों को पहले कभी न देखी गई तीव्रता और क्रूरता देखने को मिलेगी। गोपिचंद मालिनेनी निर्देशित फिल्म जाट में सनी देओल मुख्य भूमिका में हैं, साथ ही रणदीप हुड्डा, विनीत कुमार सिंह, सैयामी खेर और रेजिना कैसेंड्रा भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। इस फिल्म का निर्माण मायथ्री मूवी मेकर्स और पीपल मीडिया फैक्टरी के सहयोग से किया गया है। फिल्म के हाई-ऑक्टेन एक्शन सीक्वेंस को अनल अरासु, राम लक्ष्मण और वेंकट ने शानदार ढंग से तैयार किया है।थमन एस का जोशीला संगीत और ऋषि पंजाबी की शानदार सिनेमैटोग्राफी फिल्म के अनुभव को और बेहतर बनाती है। नवीन नूली ने संपादन और अविनाश कोल्ला ने प्रोडक्शन डिज़ाइन किया है। फिल्म जाट 10 अप्रैल को रिलीज होगी।

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति कैनेडी की हत्या के रिकॉर्ड से संबंधित 63,000 से अधिक पन्ने जारी किए गए

डलास (अमेरिका)/एपी। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जॉन एफ कैनेडी की 1963 में हुई हत्या से संबंधित रिकॉर्ड के 63,000 से अधिक पृष्ठों को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आदेश के बाद जारी किया गया है। अमेरिकी राष्ट्रीय अभिलेखागार और अभिलेख प्रशासन ने मंगलवार को अपनी वेबसाइट पर लगभग 2,200 फाइल पोस्ट कीं, जिनमें ये दस्तावेज शामिल हैं।

वर्जीनिया विश्वविद्यालय के 'सेंटर फॉर पॉलिटिक्स' के निदेशक और 'द कैनेडी हाफ-सेंचुरी' के लेखक लैरी जे. सबाटो ने कहा कि रिकॉर्ड की पूरी तरह से समीक्षा करने में समय लगेगा।

ट्रंप ने सोमवार को वाशिंगटन में 'जॉन एफ कैनेडी सेंटर फॉर द परफॉर्मिंग आटर्स' का दौरा करने के दौरान ये दस्तावेज जारी करने की घोषणा की। ट्रंप ने कहा कि उनका प्रशासन लगभग 80,000 पृष्ठ जारी करेगा। ट्रंप ने कहा, ''हमारे पास बहुत ज्यादा मात्रा में कागज हैं। आपके पास पढ़ने के लिए बहुत कुछ है।''

हत्या से संबंधित फाइलों के संग्रहकर्ता मैरी फेरेल फाउंडेशन के उपाध्यक्ष जेफरसन मोरले ने 'एक्स' पर पोस्ट किए गए एक बयान में कहा कि यह कदम ''एक उत्साहजनक शुरुआत है।'' राष्ट्रीय अभिलेखागार ने अपनी वेबसाइट पर कहा कि राष्ट्रपति के निर्देश के अनुसार, दस्तावेजों में ''वर्गीकरण के लिए पहले से रोके गए सभी रिकॉर्ड'' शामिल होंगे। हालांकि, मोरले ने कहा कि मंगलवार को जारी रिकॉर्ड में वादा की गई दो-तिहाई फाइल, हाल ही में खोजी गई एफबीआई फाइल या आंतरिक राजस्व सेवा के 500 रिकॉर्ड शामिल नहीं हैं। कैनेडी की हत्या 22 नवंबर, 1963 को डलास की यात्रा के दौरान की गई थी, जब उनका काफिला शहर में अपनी परेड की यात्रा पूरी कर रहा था और तभी एक इमारत से गोलियां चलने लगीं। पुलिस ने कैनेडी की हत्या के मामले में 24 वर्षीय ली हार्वे ओसवाल्ड को गिरफ्तार किया। दो दिन बाद एक नाइट क्लब के मालिक जैक रूबी ने जेल से स्थानांतरित करने के दौरान ओसवाल्ड को गोली मार दी थी।

मुलाकात

01-एनसीपी सांसद सुप्रिया सुले ने बुधवार को नई दिल्ली में डीएमके सांसद कनिमोझी करुणानिधि के साथ इसरो के अध्यक्ष डॉ. वी. नारायणन से मुलाकात की।

फिल्म की शूटिंग और टीवी शो की शूटिंग में अंतर होता है : शुभांगी अत्रे

मुंबई/एजेन्सी

दर्शकों के पसंदीदा शो 'भाभीजी घर पर हैं' पर फिल्म बनने जा रही है। फिल्म में शो के मूल कलाकार ही मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। शो में 'अंगूरी भाभी' का किरदार निभाने वाली शुभांगी अत्रे इस फिल्म से बॉलीवुड में डेब्यू करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। शुभांगी ने कहा, मैं एक एक्टर और एक कलाकार हूं, और कोई फर्क नहीं पड़ता कि माध्यम क्या है, चाहे वह टीवी, फिल्में, ओटीटी या थिएटर हो, मैं पूरी लगन और अनुशासन के साथ अपना 100 प्रतिशत देने में विश्वास करती हूं। बेशक, 'भाभीजी घर पर हैं' पर अब एक फिल्म बनाई जा रही है, इसलिए काम काफी हद तक वैसा ही है जैसा हम टेलीविजन पर करते हैं। लेकिन फिर भी, एक अलग तरह की घबराहट और उत्साह होता है। उन्होंने कबूल किया कि किसी फिल्म की शूटिंग करना टीवी शो की शूटिंग से बिल्कुल अलग होता है। शुभांगी ने कहा, भले ही मैं वर्षों से अंगूरी का किरदार निभा रही हूं, लेकिन फिल्म के लिए परफॉर्म करना अलग लगता है। हालांकि, मैं अपना सर्वश्रेष्ठ दे रही हूं और अपनी पूरी कोशिश कर रही हूं, जैसा कि मैं हमेशा करती हूं। मैं वाकई बहुत खुश हूं, लेकिन साथ ही, मैं थोड़ी नर्वस भी महसूस कर रही हूं। मैं बस अपने प्रशंसकों से ढेर सारा प्यार, आशीर्वाद और शुभकामनाएं चाहती हूं।

उन्होंने कहा, सबसे पहले, हमारी फिल्म में कुछ नए कलाकार शामिल हुए हैं, इसलिए उनके साथ केमिस्ट्री बनाना एक नया अनुभव है। दूसरा, टीवी पर, हम अक्सर प्रदर्शन करते समय सुधार करते हैं, लेकिन एक फिल्म में, हमें बहुत सटीक होना पड़ता है। चूंकि एक फिल्म का रनटाइम 2 से 2.5 घंटे का होता है, इसलिए हम अनावश्यक संवाद नहीं जोड़ सकते हैं, जैसा कि हम कभी-कभी टीवी सीरियल शूटिंग में करते हैं। शुभांगी फिल्म में एक्शन सीक्वेंस भी करती नजर आएंगी। उन्होंने बताया, यह मेरे लिए कुछ नया है और मैं वास्तव में उत्सुक हूं कि स्क्रीन पर कैसे दिखाई देंगी। उन्होंने बताया कि यह न केवल उनके लिए बल्कि उनके माता-पिता के लिए भी एक सपना सच होने जैसा है। उन्होंने कहा, मेरे पिता इस समय कैंसर से जूझ रहे हैं, लेकिन वे इस प्रोजेक्ट को लेकर बहुत खुश हैं।

आशी त्रिपाठी ने म्यूज़िक वीडियो 'रंग डालो' से किया अपना पहला एक्टिंग डेब्यू

मुंबई/एजेन्सी

पंकज त्रिपाठी और मृदुला त्रिपाठी की बेटी आशी त्रिपाठी ने म्यूज़िक वीडियो 'रंग डालो' से अपना पहला अभिनय डेब्यू किया है। 'रंग डालो' गीत, जिसे मैनाक भट्टाचार्य और संजना रामनारायण ने गाया है और अभिनव आर कौशिक ने संगीतबद्ध किया है, एक खूबसूरत रोमांटिक धुन है जो प्यार और कला की भावनाओं को संजोता है। आशी इस समय मुंबई के एक कॉलेज में पढ़ाई कर रही हैं और अपने पिता की तरह अभिनय में करियर बनाने की ख्वाहिश रखती हैं। जब संगीतकार अभिनव आर कौशिक ने मृदुला त्रिपाठी को आशी को इस म्यूज़िक वीडियो में लेने का सुझाव दिया, तो उन्होंने पंकज त्रिपाठी से सलाह ली, जिन्होंने इस फैसले का पूरा समर्थन किया।

जार पिक्चर्स द्वारा रिलीज़ किए गए इस वीडियो में आशी एक पेंटर की म्यूज़ (प्रेरणा) की भूमिका में नज़र आ रही हैं, जहां उन्हें रंगों से खूबसूरती से सजाया गया है, जिससे गीत का कलात्मक संदेश और

गहरा हो जाता है। अपनी बेटी के इस पहले ऑन-स्क्रीन अनुभव पर पंकज त्रिपाठी ने कहा, आशी को स्क्रीन पर देखना मेरे और मृदुला के लिए गर्व और भावुक करने वाला पल था।

वह हमेशा से परफॉर्मिंग आटर्स को लेकर जुनूनी रही है, और पहले ही प्रोजेक्ट में उसकी सहज अभिव्यक्ति देखना हमारे लिए बेहद खास था। अगर यह उसकी पहली शुरुआत है, तो मुझे उसके आगे के सफर का बेसब्री से इंतेज़ार रहेगा। इस पर मृदुला त्रिपाठी ने भी अपनी खुशी जताते हुए कहा, जब यह अवसर आया, तो मैं चाहती थी कि आशी कुछ ऐसा करे जो उसकी कलात्मक सोच से मेल खाए।

'रंग डालो' एक खूबसूरत और भावनात्मक प्रोजेक्ट है, और उसे स्क्रीन पर इन भावनाओं को जीवंत करते देखना दिल को छू लेने वाला था। हम उत्साहित हैं कि वह इस इंडस्ट्री में अपनी राह खुद बनाए। म्यूज़िक वीडियो 'रंग डालो' अब सोशल मीडिया और सभी ऑडियो स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म्स पर उपलब्ध है।

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

देश और समाज का दुर्भाग्य है कि प्रतिवर्ष अपनी लाखों प्रतिभाएं मातृभूमि को छोड़कर सफलता की तलाश में विदेश जा रही हैं। इस पलायन को रोकना सरकारों की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। अगर यूं ही प्रतिभाओं का पलायन होता रहा तो हम पिछड़ जाएंगे। अपने देश में ऐसी व्यवस्थाएं सुदृढ़ करने की आवश्यकता है कि प्रतिभाओं का लाभ भारत को ही मिले। इसके लिए एक सामूहिक राजनीतिक जागरण की जरूरत है। देश का युवावर्ग निष्ठापूर्वक यह क्रांति कर सकता है।

उद्घाटन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कोयम्बटूर के आरएस पुरम् स्थित टीवी स्वामी रोड के अन्नपूर्णीदेवी मंदिर और मुथुन कुलम स्मार्ट सिटी लेक के निकट बुधवार को जगनाथ टेक्सटाइल और प्रॉपर्टी समूह द्वारा संचालित विवेकानंद बटर मिल्क सेवा का शुभारंभ फीता काटकर निगम कमिश्नर सिवागुरु प्रभाकरण आईएएस द्वारा किया गया। सबका स्वागत जागनाथ टेक्सटाइल के मैनेजिंग डायरेक्टर रमेश टिबरेवाल ने किया। गोपाल मस्कारा ने बताया की यह निशुल्क बटर मिल्क सेवा हर साल की तरह गर्मी के दिनों में 75 दिन के लिए चलाई जाएगी। इस सेवा से हजारों लोग गर्मी से राहत मिलेगी।

आईमाताजी धर्म रथ भैल के बधावा में दिखा भक्ति, श्रद्धा एवं उल्लास का संगम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। हाथों में रंग-बिरंगी छतरियां लिए एवं पैरों में घुंघरू बांधकर पारंपरिक गैर नृत्य करते लोग, बैंड की मधुर ध्वनियों पर थिरकते युवा, पुष्पों की सुगंध से सुवासित परिसर, सिर पर कलश रखे मंगलगान करती महिलाएं देवी की भक्ति में लीन श्रद्धालु। कुछ ऐसा ही वातावरण और नजारा था मंगलवार शाम को सीरवी समाज ट्रस्ट पूनमल्ली वडेर में देखने को मिला। मौका था आईमाताजी भैल बधावणा के तहत निकली शोभायात्रा का। जगह-जगह लोगों ने पुष्पवर्षा कर आईमाता भैल का स्वागत किया। विभिन्न मार्गो से होती हुई शोभायात्रा सीरवी समाज पूनमल्ली वडेर प्रांगण में पहुँचकर धर्मसभा में परिवर्तित हो गई।

संस्था के अध्यक्ष मगाराम बर्फा ने स्वागत करते हुए सभी के सहयोग की सहारना की। श्रद्धालुओं ने आईमाता के भैल रथ के दर्शन किए। राजस्थान भैल रथ के साथ आए जति बाबा मंडली के महेंद्र बाबा, दीपाराम काग ने धर्मसभा को संबोधित किया। दीपाराम काग ने कहा कि पूर्वजों के पुण्य प्रताप से समाज ने उत्तरोत्तर प्रगति की। आईमाता के प्रति अटूट आस्था का कारण है कि आज समाज विशालकाय का रूप ले रहा है। उन्होंने कहा कि धर्म के कार्यों में अपने बच्चों को भी जोड़ना चाहिए जिससे उनमें धर्म के संस्कार पनपे क्योकि आने वाली पीढ़ी ही समाज की कर्णधार है। धर्भसभा के बाद भजन संध्या का आयोजन किया गया। रात्रि भजन संध्या में गायकों ने माता के भजनों की प्रस्तुतियां दी। भजनों पर देर रात तक श्रद्धालु झूमते रहे। इस मौके पर संस्था के अध्यक्ष मगाराम बर्फा, कोषाध्यक्ष तेजाराम परिहारिया, उपाध्यक्ष सोहनलाल सोलंकी, सहकोषाध्यक्ष कन्हैयालाल सोलंकी, पूर्व अध्यक्ष दुदाराम लचेटा, पूर्व सचिव भंवर लाल सोलंकी, महिला मंडल एवं समाज के अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

त्याग, संयम, प्रेम और करुणा की मूर्ति हैं भगवान महावीर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयम्बटूर। यहां फूल मार्केट स्थित वर्धमान ग्रैंड के मुनिसुव्रत स्वामी मंदिर के आराधना भवन में बुधवार को तीसरे दिन खरतरगच्छ के की साध्वीश्री प्रियासोमांजनाश्रीजी का प्रवचन हुआ। उन्होंने वर्धमान महावीर और उनके जीवन पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर महावीर स्वामी अहिंसा के मूर्तिमान प्रतीक थे। उनका जीवन त्याग और तपस्या से ओतप्रोत था। एक लँगोटी तक का परिग्रह नहीं था उन्हें। हिंसा, पशुबलि, जाति-पाँति के भेदभाव जिस युग में बढ़ गए, उसी युग में पैदा हुए महावीर और बुद्ध। दोनों ने इन चीजों के खिलाफ आवाज उठाई। दोनों ने अहिंसा का भरपूर विकास किया।

भगवान महावीर ने अपने प्रवचनों में अहिंसा, सत्य, अस्तेय, ब्रह्मचर्य और अपरिग्रह पर सबसे अधिक जोर दिया। त्याग और संयम, प्रेम और करुणा, शील और सदाचार ही उनके प्रवचनों का सार था। भगवान महावीर ने श्रमण और श्रमणी, श्रावक और श्राविका, सबको लेकर चतुर्विध संघ की स्थापना की। उन्होंने कहा- जो जिस अधिकार का हो, वह उसी वर्ग में आकर सम्यक्त्व पाने के लिए आगे बढ़े। जीवन का लक्ष्य है समता पाना। धीरे-धीरे संघ उन्नति करने लगा। देश के भिन्न-भिन्न भागों में घूमकर भगवान महावीर ने अपना पवित्र संदेश फैलाया।

साध्वीश्री ने कहा की इस वर्धमान ग्रैंड के लोग भी बहुत धर्म प्रेमी है। कार्यक्रम में सबका स्वागत संघ अध्यक्ष जवंतराज बागरेचा ने किया। इस मौके पर बाबूलाल बागरेचा, अशोक मेहता, श्याम सुंदर लूनिया, विजयचन्द वैद, गौतमचंद कोचर, मंगल चंद वैद, मोहन चंद गोलेछा, किशोर जैन, दिनेश गोलेछा सहित समाज के अनेक गणमान्य उपस्थित थे।

एक्सप्रेस ट्रेनों में लगेंगे एलएचबी कोच

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। दक्षिण रेलवे द्वारा यात्रियों की सुरक्षा बढ़ाने और आरामदायक यात्रा सुनिश्चित करने के लिए, निम्नलिखित ट्रेनों के मौजूदा पारंपरिक रेक को एलएचबी (लिंक-हॉफमैन-बुश) कोचों में परिवर्तित किया जाएगा। ट्रेन संख्या 22616/22615 कोयंबटूर-तिरुपति-कोयंबटूर सुपरफास्ट एक्सप्रेस 20 मार्च से कोयंबटूर और तिरुपति से एलएचबी कोचों के साथ चलेगी।

ट्रेन संख्या 22617/22618 तिरुपति-एसएमवीटी बेंगलूरु-तिरुपति सुपरफास्ट एक्सप्रेस (काटपाडी, जोलारपेटई के रास्ते चलने वाली) 21 मार्च से तिरुपति से एलएचबी कोचों के साथ और 22 मार्च से एसएमवीटी बेंगलूरु से एलएचबी कोचों के साथ चलेगी। एलएचबी रेकों में रूपांतरण के परिणामस्वरूप, ट्रेन नंबर 22616/22615 कोयंबटूर - तिरुपति - कोयंबटूर सुपरफास्ट एक्सप्रेस और ट्रेन नंबर 22617/22618 तिरुपति - एसएमवीटी बेंगलूरु - तिरुपति सुपरफास्ट एक्सप्रेस की संरचना को संशोधित किया जाएगा। इन ट्रेन में 1 - एसी चेयर कार, 9 - द्वितीय श्रेणी चेयर कार, 8 - सामान्य द्वितीय श्रेणी कोच, 1 - द्वितीय श्रेणी कोच (दिव्यांगजन अनुकूल) और 1 - लगेज सह ब्रेक वैन होंगे।

रतनीबाई मेहता बनी जीवन प्रकाश योजना की राष्ट्रीय महिला अध्यक्ष

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। समाजसेवी रतनीबाई मेहता का ऑल इंडिया श्वेतांबर स्थानकवासी जैन कॉन्फ्रेंस नई दिल्ली की जीवन प्रकाश योजना की राष्ट्रीय महिला अध्यक्ष पद पर मनोनयन किया गया है। कॉन्फ्रेंस के राष्ट्रीय अध्यक्ष अतुल जैन एवं राष्ट्रीय महिला अध्यक्ष संतोष जैन द्वारा योजना के राष्ट्रीय अध्यक्ष बाबूलाल रांका व राष्ट्रीय मंत्री अशोककुमार धोका की अनुशंसा पर यह मनोनयन किया गया है। श्रीमती मेहता गत 50 वर्ष से विभिन्न धार्मिक एवं रचनात्मक क्रियाकलापों में व्यापक रूप से जुड़ी हुई हैं तथा कई सभा संस्थाओं में सक्रिय हैं।।

वैष्णव महाविद्यालय में मेगा रक्तदान शिविर का हुआ समापन

2158 यूनिट रक्तदान के साथ बनाया नया रिकॉर्ड

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां द्वारकादास गोवर्धनदास वैष्णव कॉलेज के प्रबंधन समिति, और वहाँ के छात्र, छात्राओं ने 2036 यूनिट का लक्ष्य लेकर शुरू हुआ रक्तदान शिविर 2158 यूनिट रक्त का संचय तक जा पहुंचा। कॉलेज के सचिव अशोक कुमार मूंधड़ा के आह्वान और प्राचार्य डॉ संतोष बाबू के निर्देशन में कॉलेज में राष्ट्रीय सेवा योजना और एनसीसी के संयुक्त तत्वावधान में 18 और 19 मार्च को दो दिवसीय रक्तदान शिविर आयोजित किया गया।

प्राचार्य डॉ संतोषबाबू ने शिविर का उद्घाटन करते हुए कहा, मानव जीवन में बहुत सारे दान देना अच्छा माना गया है लेकिन सभी दानों में सर्वोत्तम दान है रक्तदान। उन्होंने कहा, रक्तदान अन्य मनुष्यों के जीवन को बचाने में प्राथमिक भूमिका निभाता है।

शिविर में उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुये लायन्स क्लब डिस्ट्रिक्ट 324एमके एस बोस, लायन्स क्लब अन्ना नगर के अध्यक्ष एडवोकेट आर सरवनन, और एस वी डी सी के अध्यक्ष एके अनबरसन ने कहा, आज के युवाओं में दूसरों की मदद करने की प्रवृत्ति बढ़ती जा रही है। यहां रक्तदान करने उमड़ने वाली छात्र-छात्राओं की भीड़ इस बात को पुख्ता करती है।

इस शिविर में राजीव गांधी सरकारी जनरल अस्पताल, ओमंदूर सरकारी जनरल अस्पताल, स्टेनली सरकारी जनरल अस्पताल और चेन्नई स्वैच्छिक रक्तदान बैंक से डॉक्टरों ने आकर रक्त एकत्र किया। इस शिविर में विद्यार्थियों एवं प्रोफेसरों ने 2158 यूनिट रक्तदान किया। राष्ट्रीय कल्याण कार्यक्रम अधिकारी डॉ. के. कल्पनादेवी, डॉ. रमेश, डॉ. वीरराघवन, डॉ. वी. सतीश कुमार, डॉ राव प्रशांत ज्योति एवं एन सी सी पदाधिकारी डॉ ए जयराम और डॉ पी सुरेश ने इस शिविर की सफलता के लिए कड़ी मेहनत की। कॉलेज के कोषाध्यक्ष अशोक केड़िया ने भी इसे अभूतपूर्व बताया और सभी को बधाई दी।

संत निवेदन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

जैन युवा संगठन के अध्यक्ष महावीर मुणोत के नेतृत्व में पूर्व अध्यक्ष रूपचन्द कुमट, दिनेश खिंवेसरा, पूर्व मंत्री पवन मांडोत, साधु साध्वी समिति चेयरमैन कपिल काल्या, सहचेयरमैन अर्चित पारेख, मोनिश मुथा आदि ने आचार्यश्री रत्नाकरसूरीश्वरजी, विनयमुनिजी खींचन व साध्वीश्री पावनप्रभाजी आदि के दर्शन कर आगामी 10 अप्रैल को फ्रीडम पार्क में आयोजित प्रभु महावीर स्वामी के 2624वें जन्म कल्याणक महोत्सव में शामिल होने का निवेदन किया।

देश में एक ही जल न्यायाधिकरण होना चाहिए, 6 महीनों में अंतर-राज्यीय विवादों का हल हो : बोम्मई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/नई दिल्ली। भाजपा सांसद बसवराज बोम्मई ने बुधवार को लोकसभा में सुझाव दिया कि देश में केवल एक ही जल न्यायाधिकरण होना चाहिए, जिसकी अध्यक्षता उच्चतम न्यायालय के मौजूदा न्यायाधीश हों और छह महीनों के भीतर अंतर-राज्यीय नदी जल विवादों का समाधान किया जाना चाहिए।

बोम्मई ने सदन में, वर्ष 2025-26 के लिए जल शक्ति मंत्रालय के वास्ते अनुदान की मांगों पर चर्चा में भाग लेते हुए कहा कि आजादी के बाद देश को अंतरराज्यीय जल विवाद अधिनियम के कारण काफी नुकसान हुआ है। उन्होंने दावा किया कि इस अधिनियम ने विवादों को सुलझाने की तुलना में कहीं अधिक विवाद पैदा किये हैं। भाजपा सांसद ने कहा कि इस अधिनियम की धारा 3 स्पष्ट रूप से कहती है कि यदि दो राज्यों के बीच नदी जल को लेकर विवाद होता है और उनमें से कोई एक राज्य केंद्र सरकार के पास जाता है तो न्यायाधिकरण का गठन किया जाएगा। भाजपा सांसद ने उल्लेख किया कि पंजाब-हरियाणा जल विवाद मामले में न्यायाधिकरण का गठन किया गया। तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और महाराष्ट्र से जुड़े नदी जल विवादों को लेकर न्यायाधिकरण गठित किए गए। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश और गुजरात से जुड़े नदी जल विवादों के लिए भी न्यायाधिकरण काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा, पिछले 50 साल से न्यायाधिकरण काम कर रहे हैं, 30-40 वर्ष में भी विवाद नहीं सुलझ रहे और जल बंटवारे से जुड़ी कई समस्याओं का समाधान नहीं हुआ। इसका भारी वित्तीय नुकसान पहुंचा है। 20 करोड़ रूपये की परियोजना की लागत बढ़कर 20,000 करोड़ रुपये की हो गई। यह देर से न्याय मिलना नहीं, न्याय नहीं मिलने के समान है। बोम्मई ने कहा कि वर्तमान में कई न्यायाधिकरण हैं जिनमें 80 साल, 83 साल, 84 साल की आयु के न्यायाधीश हैं। उन्होंने कहा कि वे 20 साल से न्यायाधिकरणों में बने हुए हैं और सभी राज्यों को विवाद के समाधान के लिए दिल्ली आना पड़ता है। उन्होंने कहा, ''मैं सुझाव देना चाहता हूं कि केवल एक जल (विवाद) न्यायाधिकरण हो, जिसकी अध्यक्षता उच्चतम न्यायालय के मौजूदा न्यायाधीश करें और छह महीनों के अंदर अंतर-राज्यीय नदी जल विवादों का समाधान हो।''

उन्होंने पानी की समस्या के वैश्विक होने का उल्लेख करते हुए कहा, हमारा देश 'ग्रीन' से 'ऑरेंज' श्रेणी में आ गया है।

विश्व नवकार महामंत्र दिवस की तैयारियों में जुटा जीतो नॉर्थ चैप्टर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जीतो नार्थ चैप्टर के चेयरमैन विमल कटारिया सहित अन्य पदाधिकारियों ने श्रीरामपुरम में विराजित आचार्यश्री विमलसागरसूरीश्वरजी के दर्शन कर विश्व नवकार महामंत्र दिवस पर सान्निध्य प्रदान करने का निवेदन किया। कटारिया ने आचार्यश्री से विश्व नवकार दिवस समारोह में पधारने का अनुरोध किया। संयोजक दिनेश खिंवेसरा ने नवकार दिवस की जानकारी साझा की। जैन युवा संगठन के अध्यक्ष महावीर मुणोत ने भी महावीर कल्याणक दिवस में पधारने का निवेदन किया।

इस मौके पर जीतो नॉर्थ के कोषाध्यक्ष नरेंद्र आच्छा, मंत्री अशोक भंडारी, प्रीतेश खांटेड़, नवकार मंत्र दिवस के आमंत्रण संयोजक सुनील लोढ़ा, जैन युवा संगठन के उपाध्यक्ष मुकेश सुराणा, कोषाध्यक्ष संतोष डूंगरवाल, श्रीरामपुरम स्थानक के मार्गदर्शक शांतिलाल खिंवेसरा, अध्यक्ष ताराचंद गुगलिया, उपाध्यक्ष किरण कोठारी, मंत्री अशोक गुगलिया और सहमंत्री सिद्धार्थ बोहरा सहित जैन कॉन्फ्रेन्स कर्नाटक के पूर्व अध्यक्ष पुखराज मेहता आदि उपस्थित थे।

विभिन्न गौसेवा संगठनों ने आरएसएस से गौरक्षा आंदोलन' को प्रखर बनाने का किया निवेदन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारतीय गोपरिवार चेरिटेबल ट्रस्ट व अन्य गौसेवा संगठनों ने बुधवार को शहर के प्रेस क्लब में गौरक्षा के संबंध में एक पत्रकारवार्ता का आयोजन किया जिसमें पथमेड़ा गौधाम के स्वामी रविन्द्रनाथ सरस्वतीजी, व्हाटस फाउंडेशन के निदेशक आनंदकृष्ण दास, चेरिटेबल ट्रस्ट के सचिव पारस जैन, जीवदया गौशाला के दीपक जैन, धेनु गौसेवा ट्रस्ट के शैलेन्द्रकुमार आदि ने देश में गायों की दशा व गौरक्षण की दिशा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि शहर में 21 से 23 मार्च तक राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की राष्ट्रीय बैठक होने जा रही है जिसमें आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत भी हिस्सा लेंगे। सभी प्रतिनिधियों ने आरएसएस पदाधिकारियों से निवेदन किया कि इस विशेष बैठक में आरएसएस अपने गौरक्षा आंदोलन' को बल दे और इस आंदोलन को प्रखर बनाए ताकि गायों के संवर्धन व संरक्षण को गति मिले। आरएसएस सहित अनेक संस्थाएं अपने अपने स्तर पर गौसेवा के लिए व गौहत्या पर प्रतिबंध के लिए मांग करती आई हैं तथा उसके संदर्भ में विभिन्न राजनेताओं को असंख्य हस्ताक्षर सहित ज्ञापन भी सौंपे हैं परंतु अभी तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। इसलिए आरआरएस से निवेदन है कि इस राष्ट्रीय सम्मेलन में गौसेवा के मुद्दे को पुरजोर समर्थन करते हुए राष्ट्रीय आंदोलन बनाए और गायों की रक्षा को सुनिश्चित करे।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.